NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 341 लखनऊ, रविवार 09 अगस्त 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

एनसीपी (शरद पवार) गुट के सांसद अगले हफ्ते प्रधानमंत्री मोदी से मिल सकते हैं

एजेंसी।
दिल्ली। एनसीपी (शरद पवार) गुट के सांसद अगले हफ्ते प्रध ाानमंत्री मोदी से मिल सकते हैं, जिसमें परिसीमन बिल पर चर्चा प्रमुख एजेंडा है। यह मुलाकात संसद में जारी गतिरोध और मॉनसून सत्र के अंतिम सप्ताह में महत्वपूर्ण विधायी मुद्दों पर सरकार की कोशिशों के बीच हो रही है। सुप्रिया सुले ने लोकसभा सीटों में समानुपातिक वृद्धि की शर्त पर बिल को समर्थन देने का संकेत दिया है, जो इस संवेदनशील राजनीतिक मुद्दे पर पार्टी के रुख के लिए अहम है। छब्च (शरद पवार) गुट के सांसद अगले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल सकते हैं। संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और मॉनसून सत्र के आखिरी हफ्ते में परिसीमन (डिलिमिटेशन) और महिला आरक्षण बिल पर चर्चा करने की छक। सरकार की कोशिशों के बीच, इस बैठक में परिसीमन की प्रक्रिया मुख्य मुद्दों में से एक हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सांसदों ने प्रध ाानमंत्री कार्यालय से मिलने का समय मांगा था और यह बैठक 10 अगस्त को होने की संभावना है। हालांकि, तारीख और समय की औपचारिक पुष्टि का अभी भी इंतजार है।हालांकि कुछ सांसदों ने संकेत दिया है कि प्रस्तावित बैठक एक शिष्टाचार मुलाकात हो सकती है, लेकिन संसद में चल रही गतिविधियों और आने वाले विधायी एजेंडे के बीच इसके समय का राजनीतिक महत्व है। खासकर, परिसीमन बिल पर चर्चा में प्रमुखता से बात हो सकती है। छब्च (च) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने पहले संकेत दिया था कि अगर प्रस्तावित बदलावों से सभी राज्यों में लोकसभा सीटों में एक समान बढ़ोतरी होती है, तो पार्टी परिसीमन की प्रक्रिया का समर्थन करने पर विचार कर सकती है।मीडिया से बात करते हुए सुले ने कहा कि अगर बिल में देश भर में लोकसभा सीटों की संख्या में 50: बढ़ोतरी का प्रावधान हो, तो पार्टी इस प्रस्ताव का समर्थन करने पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। हालांकि, सुले ने स्पष्ट किया था कि छब्च (च) प्रस्तावित कानून का अंतिम मसौदा सार्वजनिक होने के बाद ही इस पर कोई औपचारिक रुख अपनाएगी। परिसीमन की प्रक्रिया एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा बन गई है, खासकर इस चिंता के कारण कि लोकसभा सीटों के आवंटन में बदलाव से अलग–अलग राज्यों के प्रतिनिधित्व पर असर पड़ सकता है। इसलिए, सुले द्वारा सुझाया गया सीटों में एक समान बढ़ोतरी का विचार, प्रस्तावित कानून पर पार्टी के रुख के लिए अहम हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मेरठ में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा करना शासन की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता

संवाददाता।
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मेरठ में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा करना शासन की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता और धार्मिक प्रबंधन के समन्वय को दर्शाता है। यह आयोजन न केवल शिवभक्तों के उत्साह को बढ़ाता है, बल्कि प्रदेश में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के प्रशासनिक प्रयासों का भी हिस्सा है। मेरठ से हरिद्वार तक करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए की गई विशेष व्यवस्थाएं राज्य की प्रशासनिक कार्यकुशलता को रेखांकित करती हैं।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और देवाधिदेव महादेव से प्रदेश और देश में सुख, शांति, समृद्धि एवं सौहार्द की कामना की। मेरठ के मोदीपुरम क्षेत्र में दुल्हेड़ा पुलिस चौकी के निकट बनाए गए मंच से योगी आदित्यनाथ ने 'बोल बम' और 'हर–हर महादेव' के जयकारों के बीच कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। इस अवसर पर उनके साथ रामानंद सागर के धारावाहिक 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री सोमेंद्र तोमर समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। गोविल, मेरठ से भारतीय जनता पार्टी के सांसद भी हैं।योगी ने अपने संबोधन में कहा, "सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक और धार्मिक संगठनों का हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ कांवड़ियों की सुविध ााओं का ध्यान रखा है। सावन में कांवड़ यात्रा का हिस्सा बन रहे सभी शिवभक्तों का अभिनंदन करता हूं और उनकी इस यात्रा के लिए देवाधि ादेव महादेव से प्रार्थना करता हूं कि वे उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करें।" मुख्यमंत्री ने कहा, "प्रदेश और देश में सुख, शांति, समृद्धि और सौहार्द का माहौल बनाने के लिए देवाधिदेव महादेव की कृपा बनी रहे, इसी भावना के साथ आज मुझे भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मिला है।"न्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा अपने समापन की ओर बढ़ रही है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर शिवभक्त अपने गंतव्य की ओर बढ़ते हुए विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और लाखों श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल हैं। उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि सावन की शिवरात्रि तक गाजियाबाद से लेकर हरिद्वार के बीच चार से साढ़े चार करोड़ श्रद्धालु और शिवभक्त इस कांवड़ यात्रा में गंगाजल लेकर शिवालयों

में जलाभिषेक करेंगे।" मुख्यमंत्री ने कहा, "आज मुजफ्फरनगर के शिव चौक पर भारी भीड़ है। अभी मेरठ में मुझे शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करने का अवसर मिला है। मेरठ के हमारे सभी जनप्रतिनिधि इस अवसर पर मेरे साथ यहां मौजूद हैं।"योगी ने कहा कि मेरठ के प्रसिद्ध बाबा औघड़नाथ मंदिर, गाजियाबाद के बाबा दूध ेश्वरनाथ मंदिर और बागपत के पुरा महादेव मंदिर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और हिमाचल प्रदेश से आने वाले शिवभक्त इस यात्रा का हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने कहा, "पूरी श्रद्धा, उत्साह और उमंग के साथ यात्रा में शामिल होने आए कांवड़ियों का प्रदेश सरकार की ओर से स्वागत और अभिनंदन करता हूं।"मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों के राष्ट्र के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि जात–पात, प्रांत और क्षेत्रीयता की सीमाओं से ऊपर उठकर शिवत्व की भावना से एकाकार होने के लिए यह यात्रा उत्साह और उमंग का वातावरण पैदा कर रही है। प्रशासनिक तैयारियों और व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, "प्रशासन ने उच्च स्तर की व्यवस्था की है और समाजसेवी संगठनों ने शिविर लगाए हैं तथा कांवड़ियों को सुविध ााएं उपलब्ध करा रहे हैं। वास्तव में यह भक्ति की पराकाष्ठा है। मैं सभी कांवड़ यात्रियों का स्वागत करता हूं।

पीएम मोदी के पास जेनजी के लिए वक्तनहीं, पर गद्दारों से मिले शिंदे गुट के सांसदों से मोदी के मुलाकात पर भड़के उद्धव ठाकरे

एजेंसी।
मुम्बई उद्धव ठाकरे ने पीएम मोदी पर शिंदे गुट के सांसदों से मिलने और ळमद ् प्रदर्शनकारियों को नजरअंदाज करने को लेकर निशाना साधा। ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट में लंबित शिवसेना विवाद के बीच इस मुलाकात को न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश बताया, हालांकि उन्होंने न्याय व्यवस्था में अपना भरोसा जताया। शिवसेना (न्ठज) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल होने वाले सांसदों के साथ बैठक करने के लिए मोदी की आलोचना की। ठाकरे की यह टिप्पणी पार्टी के बंटवारे को लेकर चल रहे राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच आई है, जिस पर अभी भारत के सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। न्यायिक प्रक्रिया में हो रही देरी की ओर इशारा करते हुए, ठाकरे ने बताया कि उनकी अयोग्यता और नेतृत्व से जुड़ा मामला चार साल से लंबित है, हालांकि अब इसकी सुनवाई एक अहम अंतिम चरण में पहुँचती दिख रही है।एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उन्होंने प्रधानमंत्री के राजनीतिक कार्यक्रमों पर निराशा जताई और राष्ट्रीय राजधानी में नागरिक विरोध–प्रदर्शनों से निपटने के सरकार के तरीके की तुलना उनसे की। ठाकरे ने कहा कि हमारा मामला चार साल से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। अब ऐसा लग रहा है कि सुनवाई अपने अंतिम चरण में है और लगातार चल रही है... पीएम मोदी के पास जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रहे ळमद ् प्रदर्शनकारियों से मिलने का समय नहीं है, लेकिन वे गद्दारों से मिले।शिवसेना (न्ठज) नेता ने बैठक के दौरान पाला बदलने वाले विधायकों को दिए गए कथित आश्वासनों पर सवाल उठाए और प्रधानमंत्री कार्यालय से मिलने वाले ऐसे समर्थन के व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक नतीजों को लेकर चिंता जताई। ठाकरे ने आगे कहा कि इसके अलावा, इन

गद्दारों को भरोसा दिलाया जा रहा हैरू 'डरो मतय मैं तुम्हारे साथ हूँ. ..'" उन्होंने सत्ताधारी नेतृत्व को चुनौती देते हुए पूछा, "क्या यह संदेश अमित शाह, देवेंद्र फडणवीस, प्रशासन या पार्टी के उन सभी लोगों को भेजा गया था जो गद्दारी करना चाहते हैं? जब उनसे पूछा गया कि क्या इस बैठक का असर लंबित मामले पर पड़ सकता है, तो ठाकरे ने न्यायपालिका में अपने गुट का भरोसा जताया, लेकिन बैठक के मकसद पर शक जाहिर किया। उन्होंने कहा कि इस पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिएय हमें न्यायपालिका और ब्श्र् पर इतना भरोसा है, लेकिन हमें एक शक हैरू क्या यह सुप्रीम कोर्ट पर दबाव बनाने की कोशिश है, यह दिखाकर कि मैं (च्ड मोदी) गद्दारों के साथ हूँ?

सुखबीर बादल ने महिला आरक्षण बिल तुरंत लागू करने की मांग की, परिसीमन पर भी समर्थन का ऐलान

एजेसी।
दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल ने सुखबीर बादल के नेतृत्व में महिला आरक्षण बिल को तत्काल लागू करने की मांग की है, जिसके पीछे सिख गुरुओं की शिक्षाएं और की आरक्षण व्यवस्था का हवाला दिया गया। पार्टी ने सभी राज्यों की सीटों में समान 50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ निष्पक्ष परिसीमन की भी मांग की है, इन दोनों मुद्दों को बिना देरी के पूरा करने पर जोर दिया। शिरोमणि अकाली दल ने शनिवार को यहां अपने वरिष्ठ नेताओं की बैठक में महिला आरक्षण बिल को तुरंत लागू करने की मांग की। बैठक के बाद ै।क प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने ग पर एक पोस्ट में कहा कि शिरोमणि अकाली दल को सिख गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरणा मिलती है, जिन्होंने महिलाओं के सम्मान, समानता और समान अधि ाकारों की वकालत की थी। उन्होंने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंध ाक कमेटी (ळच्ब्) ने अपनी सभा में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था करके पहले ही एक मिसाल कायम की है।बादल ने कहा कि संसद के सामने अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा के बाद, ै।क ने एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण परिसीमन की भी मांग की, जिससे सभी राज्यों को समान प्रतिनिधि ात्व मिल सके। उन्होंने लिखा कि शिरोमणि अकाली दल ने उस प्रस्ताव का समर्थन किया जिसे भारत सरकार ने सदन में सभी राज्यों की सीटों में एक समान 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के लिए पेश किया था। बादल ने पोस्ट में कहा कि पार्टी ने जोर दिया कि महिलाओं के लिए आरक्षण और परिसीमन का काम तुरंत किया जाना चाहिए। सरकार मौजूदा मॉनसून सत्र में विपक्षी नेताओं और छक। सहयोगियों से संपर्क करके, 2029 में विध ाानसभाओं में महिलाओं के लिए

33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करने के लिए संविध ाान संशोधन बिल पास कराने की नई कोशिश कर रही है। पिछली बार के सत्र में यह संविधान संशोध ान बिल पास नहीं हो पाया था। शिरोमणि अकाली दल के नेता दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि आज हुई बैठक के बारे में मैं अभी ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता। मैंने आपको लिए गए फैसलों के बारे में बताया है, खासकर महिला आरक्षण बिल को लागू करने और सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में... शिरोमणि अकाली दल के अध यक्ष किसी भी मामले पर, या पंजाब के व्यापक हित में उनसे (च्ड से) मिल सकते हैं।

परिसीमन पर सीएम विजय की बैठक से सर्वदलीय बैठक का बायकाट, सियासी पारा हाई

एजेंसी।
तमिलनाडु । परिसीमन पर सीएम विजय की सर्वदलीय बैठक को तमिलनाडु के 57 में से 37 सांसदों ने दूरी बनाकर बड़ा झटका दिया, जिससे राज्य में इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर आम सहमति की कमी उजागर हुई है। यह बहिष्कार दक्षिणी राज्यों की लोकसभा सीटों पर संभावित असर और राजनीतिक खींचतान को दर्शाता है, खासकर क्डझ और ।प्।क्डझ के अनुपस्थित रहने से मुख्यमंत्री की पहल कमजोर पड़ी। तमिलनाडु के ज्यादातर सांसदों ने शनिवार को मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शामिल न होने का फैसला किया। यह बैठक परिसीमन के मुद्दे पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। इसे मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ के लिए एक प्रतीकात्मक झटके के तौर पर देखा जा सकता है। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, विजय ने प्रस्तावित परिसीमन

प्रक्रिया पर राज्य की ओर से एक साझा रुख तय करने के लिए यह बैठक बुलाई थी। इस प्रक्रिया को लेकर चिंता जताई गई थी कि इससे दक्षिणी राज्यों की संसदीय सीटों की संख्या कम हो सकती है। के अनुसार, तमिलनाडु के 57 सांसदों में से केवल 20 के ही इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद थी, जबकि 37 सांसदों ने बैठक से दूर रहने का फैसला किया। इससे मुख्यमंत्री की इस पहल पर आम सहमति न होने का संकेत मिल रहा है। हाजिरी के विवरण के अनुसार, बैठक में शामिल होने वाले 20 सांसद ज्यादातर कांग्रेस और उसके छोटे सहयोगियों से हैं। कांग्रेस के 12 सांसद मौजूद हैं, जबकि टब्झ, ब्च् और ब्च्(ड) के दो–दो सांसद हैं, और डक्डझ तथा प्न्डस् का एक–एक सांसद है।इस बीच, क्डझ ने बैठक का बहिष्कार किया है और उसके सभी 30 सांसद इसमें शामिल नहीं हुए। ।प्।क्डझ ने भी इस कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी और उसके चार सांसद इसमें शामिल नहीं हुए। च्डझ, डछड और क्डक्झ ने भी बहिष्कार में हिस्सा लिया हैय इन पार्टियों का एक–एक सांसद इसमें शामिल नहीं हुआ। बैठक में शामिल न होने वाले सांसदों ने ज्टझ के नेतृत्व वाली सरकार पर कावेरी जल बंटवारे के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब सरकार की ओर से बिल को पास कराने की नई कोशिशों की खबरें आ रही हैं और ऐसी अटकलें तेज हो गई हैं।

जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन होगा बंद? हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में क्या नई बहस छिड़ गई

एजेंसी।
दिल्ली। जंतर–मंतर को विरोध प्रदर्शन के लिए बंद क्यों नहीं कर दिया जाता? देश की राजधानी में विरोध प्रदर्शनों का सबसे बड़ा प्रतीक जंतर–मंतर अब अदालत की कसौटी पर है।दिल्ली के दिल जंतरमंतर पर अब सिर्फ प्रदर्शन नहीं बल्कि संवैधानिक बहस भी खड़ी हो गई है। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सख्त जवाब मांगा तो दूसरी तरफ दिल्ली हाईकोर्ट ने सीधा सवाल दाग दिया। आखिर जंतर–मंतर को विरोध प्रदर्शन के लिए बंद क्यों नहीं कर दिया जाता? देश की राजधानी में विरोध प्रदर्शनों का सबसे बड़ा प्रतीक जंतर–मंतर अब अदालत की कसौटी पर है। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से साफ जवाब मांगा है कि क्या बड़े स्तर के धरनों के लिए कोई वैकल्पिक और ज्यादा व्यवस्थित जगह तय की जा सकती है। दरअसल चीफ जस्टिस सूर्यकांत

की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने याचिकाकर्ता सतीश चंद्र कौशिक ने दलील दी कि जंतर–मंतर अब बड़े प्रदर्शनों के लिए व्यवहारिक नहीं रहा। यहां ना पर्याप्त पानी है, ना शौचालय, ना ही बुनियादी व्यवस्थाएं। लंबा ध ारना हो तो प्रदर्शनकारियों के साथ–साथ आसपास रहने वाले लोग भी परेशान होते हैं। जंतर–मंतर पर प्रदर्शन को लेकर लोगों की अलग–अलग राय है। कुछ लोगों का मानना है कि जंतर–मंतर पर सुविध ााओं का अभाव है। इससे आम जनता और प्रदर्शनकारी दोनों प्रभावित होते हैं। इसी बीच में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरभ दास ने जंतर–मंतर पर प्रोटेस्ट को लेकर अपनी राय रखी है। एक्स पर लिखा हमसे हमारी विरोध करने की –जगह छीनने की कोशिश करने से पहले हमें यह बताएं कि क्या आप इंडिया गेट को ऐसी जगह के तौर पर तय करेंगे जहां हम शांतिपूर्ण विरोध ा करने के लिए अपने मौलिक अधिकार का इस्तेमाल कर सकें। आपने इंडिया गेट तो छीन ही लिया। अब हम अपना जंतर–मंतर भी छीने जाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हालांकि जंतर–मंतर पर सिर्फ सुविधाएं ही नहीं ट्रैफिक भी बड़ा मुद्दा बन गया है। दिल्ली के बीचों–बीच होने वाले इन प्रदर्शनों से यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है। एंबुलेंस से लेकर आम राहगीर तक हर कोई इसकी मार झेलता है। इसी बीच दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इस मुद्दे पर और भी सख्त रुख दिखाया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से सीध ाा सवाल किया। दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासी जंतर–मंतर को प्रदर्शन की तय जगह बनाए रखने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि शहर को बेवजह बंध ाक क्यों बनाया जाए?

सरकार संग वार्ता बेनतीजा रही, प्रदर्शन जारी रखने का ऐलान

एजेंसी।
रांची में भर्ती परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक के विरोध में चल रहे आंदोलन के बीच शनिवार को राज्य सरकार की समिति और प्रदर्शनकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। तीन मंत्रियों को शामिल कर बनाई गई पांच सदस्यीय समिति ने जेएलकेएम नेता देवेंद्र नाथ महतो और छात्र प्रतिनिधिमंडलों से वार्ता कर मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का भरोसा दिया। इसके बावजूद अभ्यर्थी 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा को तुरंत रद्द करने की मुख्य मांग पर अड़े हैं।रांची, आठ अगस्त भर्ती परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक को लेकर जारी प्रदर्शन के बीच झारखंड सरकार ने शनिवार को विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने अपनी सभी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का फैसला किया है। सरकार की पांच सदस्यीय समिति, जिसमें तीन मंत्री शामिल थे, ने सबसे पहले झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व वाले प्रदर्शनकारी गुट से मुलाकात कीइस मुद्दे को लेकर महतो के अनशन का शनिवार को सातवां दिन है।

इंदिरानगर में चोरी के प्रयास के दौरान वृद्ध दंपति पर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, नकब के औजार बरामद

लखनऊ। इंदिरानगर थाना क्षेत्र के बजरंग चौराहा, अमराई गांव में घर में घुसकर चोरी के प्रयास के दौरान वृद्ध दंपति और उनकी बेटी पर हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से नकब लगाने में इस्तेमाल होने वाले पेचकश, प्लास, छेनी और हथौड़ी समेत अन्य सामान बरामद किया है। दोनों आरोपी मजदूरी करते हैं और पुलिस के अनुसार उनके खिलाफ लखनऊ, बाराबंकी और अन्य जिलों के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं।पुलिस के मुताबिक, बजरंग चौराहा अमराई गांव निवासी दीपक गुप्ता पुत्र उमेश चन्द्र गुप्ता ने 25 जुलाई 2026 को थाना इंदिरानगर में तहरीर देकर बताया था कि दो अज्ञात चोर घर के पीछे की दीवार कूदकर अंदर घुस आए थे। चोरी के प्रयास के दौरान आरोपियों ने उनकी माता शान्ती देवी, पिता उमेश चन्द्र गुप्ता और बहन के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर घटना के शीघ्र अनावरण और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके बाद थाना इंदिरानगर पुलिस के साथ अपराध शाखा कमिश्नरेट लखनऊ और पुलिस उपायुक्त पूर्वी की अपराध एवं निगरानी टीमों को लगाया गया।संयुक्त पुलिस टीमों ने संदिग्धों से पूछताछ, निगरानी और लगातार प्रयास के बाद 8 अगस्त 2026 को मानस तिराहे के पास स्थित पार्क से घटना से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उदयराज पुत्र हरिहर प्रसाद, उम्र करीब 37 वर्ष, निवासी दहला, थाना रामपुर मथुरा, जनपद सीतापुर और विनोद वर्मा पुत्र राम, उम्र करीब 40 वर्ष, निवासी समरदहा, थाना रामपुर मथुरा, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी मजदूरी करते हैं।पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि घटना से पहले आरोपियों के एक साथी ने बजरंग चौराहे के पास घूमकर एक दुकान और उसके आसपास के क्षेत्र की रैकी की थी। रैकी के दौरान उसे पता चला कि दुकान चलाने वाले वृद्ध पुरुष और महिला के घर के आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। इसके बाद चारों ने मिलकर घर में चोरी की योजना बनाई। 24 जुलाई की रात करीब 10 बजे चारों आरोपी मौके पर पहुंचे। दो आरोपी बाहर निगरानी करने लगे, जबकि दो आरोपी आसपास के खाली प्लाट और निर्माणाधीन मकान के रास्ते छत पर पहुंचे और पाइप के सहारे घर में नीचे उतर गए। कुछ देर बाद घर के लोग जाग गए, जिसके चलते दोनों आरोपी वापस ऊपर आ गए। इसके बाद उन्होंने घरवालों पर डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौका पाकर सभी आरोपी फरार हो गए।पुलिस के अनुसार, 8 अगस्त को गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी मानस तिराहे के पास पार्क में दोबारा आपराधिक वारदात करने के इरादे से बैठे हुए थे। इसी दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उदयराज के कब्जे से एक पेचकश, एक प्लास और एक कीपैड मोबाइल फोन तथा विनोद वर्मा के कब्जे से एक छेनी और एक हथौड़ी बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, बरामद औजारों का इस्तेमाल नकब लगाने और चोरी की वारदात में किया जाना था।पुलिस जांच में दोनों आरोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। विनोद वर्मा के खिलाफ बाराबंकी और लखनऊ के विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी, घर में घुसकर चोरी और मारपीट से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं उदयराज के खिलाफ भी बाराबंकी, लखनऊ और सीतापुर के विभिन्न थानों में डकैती, चोरी, हत्या के प्रयास, शस्त्र अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम समेत कई मामलों में मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर उनके अन्य साथियों और पूर्व में की गई वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।पुलिस के मुताबिक, इस वारदात में कुल चार लोगों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो अन्य वांछित आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

शराब पीने को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र के सालेह नगर तिराहे पर 6 अगस्त की रात स्विफ्ट डिजायर कार में मृत मिले युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, देशी शराब की दुकान पर शराब पीने को लेकर हुए विवाद के दौरान मारपीट में युवक की मौत हो गई थी। इसके बाद आरोपियों ने शव को कार की पिछली सीट पर लिटा दिया और कार को सालेह नगर तिराहे पर खड़ा कर मौके से फरार हो गए।पुलिस के मुताबिक, 6 अगस्त 2026 की रात सालेह नगर तिराहे पर खड़ी स्विफ्ट डिजायर कार संख्या न्‍व्33ठठ8989 में एक अज्ञात व्यक्ति के मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद मृतक की पहचान ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र उदय भान सिंह, निवासी ग्राम एवं पोस्ट बरहा, थाना खीरो, जनपद रायबरेली के रूप में की। पुलिस ने शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में चोट लगने के कारण मृत्यु होने की बात सामने आई।मामले में 8 अगस्त को मृतक के भाई शशिवेन्द्र सिंह ने थाना आशियाना में लिखित तहरीर देकर अज्ञात व्यक्तियों पर अपने भाई की हत्या करने का आरोप लगाया। तहरीर के आधार पर थाना आशियाना में मुकदमा संख्या 207/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की विवेचना प्रभारी निरीक्षक गजेन्द्र कुमार राय द्वारा की जा रही थी।घटना के अनावरण के लिए आशियाना पुलिस की टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ अन्य वीडियो साक्ष्यों और तकनीकी जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 6 अगस्त को देशी शराब की दुकान पर शराब पीने को लेकर कुछ लोगों के बीच विवाद हुआ था। विवाद के दौरान मारपीट हुई, जिसमें ज्ञानेन्द्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने शव को कार की पिछली सीट पर लिटा दिया और कार को सालेह नगर तिराहे पर खड़ा करके वहां से फरार हो गए।सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने घटना में सचिन उर्फ चाइना पुत्र स्वर्गीय सुरेन्द्र पासी, उम्र करीब 30 वर्ष, निवासी भदरूखा, बंगला बाजार, थाना आशियाना, लखनऊ तथा जितेन्द्र उर्फ जीतू पुत्र बुद्धू लाल, उम्र करीब 37 वर्ष, निवासी भदरूख, बंगला बाजार, थाना आशियाना, लखनऊ के नाम प्रकाश में आए। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को 8 अगस्त को औरंगाबाद अंडरपास, थाना आशियाना क्षेत्र से हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी सचिन उर्फ चाइना के खिलाफ वर्ष 2015 में थाना आशियाना में मारपीट, महिला से संबंधित अपराध, लूट, तोड़फोड़, घर में घुसने, गाली–गलौज और धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। वहीं जितेन्द्र उर्फ जीतू के आपराधिक इतिहास के संबंध में अन्य थानों से जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ की है। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

योगी सरकार की जेन-जी के लिए नई पहल, अब हर माह विद्यार्थियों से संवाद करेंगे आईएएस-आईपीएस और आईएफएस अधिकारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा, रोजगार और करियर के बेहतर अवसरों से परिचित कराने के लिए नई पहल शुरू की है। इसके तहत अब आईएएस, आईपीएस और आईएफएस सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हर माह विद्यालयों में पहुंचकर इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों से संवाद करेंगे और उन्हें करियर निर्माण के लिए मार्गदर्शन देंगे।इस पहल के तहत विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी), उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी), राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई), राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) जैसी प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी विद्यार्थियों को इन परीक्षाओं की तैयारी की रणनीति, विषय चयन, अध्ययन की दिशा और उपलब्ध अवसरों के बारे में जानकारी देंगे।सरकार की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों और प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, ताकि छात्र केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध करियर विकल्पों की व्यावहारिक जानकारी भी मिल सके। अधिकारी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के विभिन्न विकल्पों, रोजगार के अवसरों, उद्यमिता तथा स्टार्टअप के क्षेत्र में संभावनाओं के बारे में भी जानकारी देंगे।कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी प्रत्येक माह वरिष्ठ अधिकारियों के विद्यालय भ्रमण का कार्यक्रम तैयार करेंगे। संबंधित अधिकारी निर्धारित विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे और उनके सवालों का जवाब देते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं तथा भविष्य के करियर को लेकर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इससे विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारियों के अनुभवों से सीधे सीखने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए मंडलायुक्त समय–समय पर इसकी समीक्षा करेंगे, जबकि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यक्रमों के आयोजन और संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालयों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे। प्रत्येक माह आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति और गतिविधियों की रिपोर्ट अगले माह की 5 तारीख तक शासन को भेजी जाएगी।योगी सरकार की इस पहल को विद्यार्थियों में करियर को लेकर जागरूकता बढ़ाने, प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति सही दिशा देने और युवाओं को उच्च शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता तथा स्टार्टअप के नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मायावती का सपा पर हमला, बोलीं- चुनावी स्वार्थ में रंग बदल रही सपा, जातिवादी राजनीति से सर्वसमाज रहे सावधान

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर जातिवादी और संकीर्ण राजनीति करने का आरोप लगाया है। मायावती ने कहा कि बसपा 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति पर चलती है और उत्तर प्रदेश में चार बार बनी बसपा सरकारों ने भी इसी सिद्धांत के आधार पर काम किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर चुनावी स्वार्थ के लिए बार–बार अपना राजनीतिक रंग बदलने का आरोप लगाते हुए सर्वसमाज के लोगों से ऐसी राजनीति से सावधान रहने की अपील की।मायावती ने सपा के 'पीडीए' फॉर्मूले पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पहले 'पी' से पिछड़े और अब 'पंडित' करने की कोशिश की जा रही है। मायावती का कहना है कि ब्राह्मण समाज के लोगों का बसपा से जुड़ाव बढ़ने से समाजवादी पार्टी विचलित नजर आ रही है और इसी वजह से वह अपनी राजनीतिक रणनीति में बदलाव करती दिखाई दे रही है।बसपा सुप्रीमो ने सपा की राजनीति को छल और छद्म की राजनीति बताते हुए कहा कि चुनावी लाभ के लिए समाज को अलग–अलग जातीय समूहों में बांटने की कोशिश किसी व्यक्ति विशेष के लिए राजनीतिक रूप से लाभदायक हो सकती है, लेकिन इससे पूरे समाज का भला नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि बसपा की राजनीति किसी एक जाति या वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि पार्टी सर्वसमाज के हितों को ध्यान में रखकर राजनीति करने में विश्वास रखती है।मायावती ने कहा कि बसपा की 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को समान अवसर और सम्मान दिलाना है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बसपा की चार सरकारों के दौरान इसी सिद्धांत को केंद्र में रखकर शासन चलाया गया।उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों से अपील करते हुए कहा कि वे सपा की संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ से प्रेरित राजनीतिक दावों से सावधान रहें तथा अपने हितों को ध्यान में रखकर राजनीतिक निर्णय लें।

बीकेटी में नहर से 61 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद, पोस्टमार्टम से मौत के कारण होंगे स्पष्ट

लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदी के पास नहर में शनिवार को एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से शव को नहर से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान मानपुर बाना निवासी 61 वर्षीय अवधेश शर्मा के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, 8 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 12:45 बजे सूचना मिली कि ग्राम बरगदी के पास नहर में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था प्रमुख प्राथमिकताएं- मंडलायुक्त

जर्जर मकानों में रहने वालों की सुरक्षा भी प्राथमिकताओं में शामिल

प्रयागराज। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था उनकी प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। मंडलायुक्त ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि मंडल में जर्जर मकानों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा भी उनकी प्राथमिकता में शामिल है। प्रतापगढ़ में गुरुवार को हुई घटना के बाद उन्होंने चारों जिलों में ऐसे स्थानों पर रह रहे लोगों को सुरक्षित रखने के लिए कहा। साथ ही यह भी प्रयास करेंगे कि गरीब लोगों को आवास योजना का लाभ दिलाया जा सके।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सबसे पहले बाढ़ से निपटने की तैयारियों पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। सभी जिलों के अधिकारियों को सतर्क रहने और राहत एवं बचाव व्यवस्थाएं मजबूत रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ संबंधी तैयारियों के बाद माघ मेले की तैयारियां शुरू कराई जाएंगी ताकि समय रहते सभी व्यवस्थाएं पूरी की जा सकें और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इस दौरान अपर आयुक्त त्रिभुवन भी मौजूद रहे।

जलभराव की समस्या पर जब सवाल किया गया तो मंडलायुक्त ने कहा कि जिले में जलभराव की समस्या का कारण है कि यहां कुछ इलाकों में सड़क व्यवस्थित नहीं हैं। नालियों का एलाइनमेंट सही न होने के कारण थोड़ी सी बारिश में यहां जलभराव हो जाता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए विशेष कदम उठाने होंगे। नालियों और नालों की व्यवस्था ऐसी करनी होगी, जिससे जल निकासी समय जाए। उन्होंने कहा कि कुछ सड़कों को देखकर लगता है कि प्लानिंग ठीक से नहीं हुई है।

शराब के बढ़ते गैर- जिम्मेदाराना सेवन और सड़क सुरक्षा पर मंथन

कंज्यूमर वश्यस एंव कंज्यूमर गिल्ड और (रज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय की संयुक्त पहल

प्रयागराज। कंज्यूमर वॉयस एंव कंज्यूमर गिल्ड और समाज कार्य विभाग, प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सहयोग से 07 अगस्त को शराब के बढ़ते गैर–जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम और सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री चारुल मिश्रा, क्षेत्रीय मध्य निषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, प्रयागराज जोन ने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाना केवल परिवार या सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्वस्थ और संयमित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि पवन पांडेय, ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने कि कहा नशे में गाड़ी नहीं चलाना चाहिए, शराब युवाओं के स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और सामाजिक उत्तरदायित्व पर गंभीर असर डालती है। प्रो. विवेक सिंह, विभागाध्यक्ष एवं डीन, कला संकाय (रज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए युवाओं को शराब छोड़नी होगी। ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध जगाते हैं। डॉ. मालविका राव, साइकोलॉजिस्ट ने नशे के मानसिक प्रभाव और उससे बचाव के उपाय बताए, उन्होंने तनाव से निपटने के लिए खेल, योग और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने पर बल दिया। कंज्यूमर वॉयस के सलाहकार हेमंत उपाध्याय ने बिंज ड्रिंकिंग पर चिंता जताते हुए जिम्मेदारी से निर्णय लेने की जरूरत बताई। नीलांजना बोस, कंज्यूमर वॉयस ने रिस्पॉन्सिबल ड्रिंकिंग की संस्कृति बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर कानूनी विशेषज्ञ अभिषेक श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समाजसेवी ओम प्रकाश मिश्रा ने किया। इसमें डॉ. कविता गौतम, डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव, डॉ. अशोक मौर्य सहित बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और नागरिक समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अपना दल एस की मासिक बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा

प्रयागराज। अपना दल एस की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन जिला महासचिव वीरेंद्र पाल एवं, बृजेश पटेल महासचिव द्वारा किया गया श।बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा आगामी पंचायत विधानसभा चुनावों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।मुख्य अतिथि मिथिलेश सिंह पटेल प्रदेश अध्यक्ष श्रमिक मंच ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा स्तर से लेकर हर बूथ पर मजबूत एवं समर्पित टीमों का गठन किया जाय। संगठन कार्यकर्ताओं की उपस्थिति जनता से संवाद को निरंतर एवं मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाए गांव गांव एवं घर–घर अपना दल एस पार्टी का झंडा सुनिश्चित किया जाए।विशिष्ट अतिथि मुस्ताक अहमद अल्पसंख्यक प्रदेश उपाध्यक्ष मुस्ताक अहमद ने कहा ने पार्टी द्वारा सक्रिय सदस्यता अभियान जिला स्तर से लेकर बूथ स्तर तक चलाया जा रहा है। विधानसभा में पार्टी संगठन की तैयारी विधानसभा अध्यक्ष जोन अध्यक्ष सेक्टर अध्यक्ष बूथ अध्यक्ष के कार्यों के समीक्षा किया। इस अवसर पर संगठनात्मक रूप से कमजोर क्षेत्रों की पहचान कर तत्काल विस्तार एवं मजबूती हेतु ठोस रणनीति तैयार की गई।आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों जिला चौपाल संवाद अभियानों एवं बूथ बैठकों को विस्तार रूप रेखा तय कर सभी पदाधिकारीयों को स्पष्ट कार्य दायित्व सौंपे गए।

कार्यक्रम में मिथिलेश सिंह पटेल, जितेन्द्र पटेल उपाध्यक्ष युवा मंच, परमानंद मिश्रा प्रदेश सचिव विधि मंच, संगीता पटेल, कुसाग्र श्रीवास्तव, बृजेश पटेल, अनारकली चौधरी, बंसीलाल मौर्य, अभय प्रताप पटेल (बादल पटेल) ने भी अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर ज्ञानेंद्र वर्मा, दिग्विजय सिंह, अनीता रानी, दशाराम पटेल, सभासद विनोद कुमार पटेल बी आर डी प्रबंधक, संजय पटेल सभासद जगत बहादुर पटेल सभासद, आशीष पटेल भोथा, रवि पटेल एडवोकेट, कृष्ण कुमार राजू सेठ, किरण पटेल महिला मंच जिला अध्यक्ष, कृपा शंकर सरोज, कार्तिक जिला उपाध्यक्ष, चंद्रभान पटेल शिव शंकर यादव, प्रतिभा पटेल, जिला उपाध्यक्ष, वैभव पटेल छात्र मंच जिला उपाध्यक्ष, अभिषेक पटेल, संजीव गहलौत जिला मीडिया प्रभारी अपना दल एस की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बहत्तर ताबूत में उमड़ा अकीदतमन्दों का सैलाब

प्रयागराज। अन्जुमन खुद्दाम ए मोजिजनुमा रजिस्टर्ड के तत्वावधान में दरिया बाद स्थित इमामबाड़ा जद्दन मीर साहब से कर्बला के बहत्तर शहीदों का जुलूस अकधेदत व ऐहतेराम के साथ निकाला गया। मंजर आल हिन्दी ने सोज व सलाम पढ़ा। जरखेज नजीब ने हजारों ने हजारों सोगवारों को खिताब किया। फिर एक एक करके ताबूत निकाले गए। प्रत्येक शहीद की वीरता व जंग के हुनर जौनपुर से आए मौलाना शारिब अब्बास ने मार्मिक अन्दाज में पेश किया जिसे सुन कर अकधेदतमन्दों की आंखें डबडबा आईं। जायरीनों ने सभी ताबूतों पर अश्कों का नजराना पेश किया और फूल माला चढ़ा कर मन्नत व मुरादें मांगी। ताबूतों की जियारत और बोसा लेने को हर तरफ से हांथ बढ़े। प्रयागराज के साथ पड़ोसी जनपदों से भी बड़ी संख्या में अकधेदतमंद शामिल रहे।देश के अन्य प्रदेशों व शहरों से भी भारी संख्या में अकधेदतमंद शामिल हुए। आयोजक संस्था अन्जुमन खुद्दाम ए मोजिजनुमा रजिस्टर्ड दरियाबाद के अध्यक्ष एडवोकेट सैय्यद रजा हसनैन के अनुसार स्टेज के बगल में बहत्तर अलम विशाल कटआउट भी लगाया गया जिसे देखने अकधेदतमंदों का हुजूम इर्दगिर्द डटा रहा। कधब्रिस्तान में परम्परा का निर्वाह करते हुए मौलाना जाबिर अब्बास ने सभी की सेहत, सलामती, रिज्कध में बरकत, बे औलाद को औलाद अता करने के साथ मुल्क ए हिन्द में अमनों अमान व भाई चारा कधयम रहने की विशेष दुआ की। अन्जुमन खुद्दाम ए मोजिजनुमा रजिस्टर्ड के अध्यक्ष मौलाना व मुतावल्ली रजा हसनैन एडवोकेट, सह मीडिया डायरेक्टर सैय्यद मोहम्मद अस्करी, महामंत्री नजीब इलाहाबादी आदि ने जिला प्रशासन मीडिया बन्धुओं जल संस्थान नगर निगम व खास तौर से जिला प्रशासन व अन्य सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के सहयोग के प्रति आभार जताया।

राहुल न हिंदू न ब्राह्मण इसलिए नहीं आते फिरोज गांधी की कब्र पर-, प्रकाश पाल

प्रयागराज। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने मम्फोर्डगंज स्थित फिरोज जहांगीर गांधी की कब्र पर फिर एक बार जाकर कार्यकताओं के साथ पुष्पांजलि अर्पित करते हुए राहुल गांधी को घेरा है। शुक्रवार को प्रयागराज प्रवास पर आये प्रकाश पाल ने मम्फोर्डगज स्थित पारसी कब्रिस्तान में बनी फिरोज जहांगीर गांधी की कब्र पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान मीडिया से औपचारिक रूप से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी न हिंदू हैं न ब्राह्मण इसलिए नहीं आते फिरोज गांधी की कब्र पर। राहुल गांधी ने जो नकली माहौल बना रखा है हिन्दू व ब्राह्मण होने का यहां आते ही पता चल जाएगा कि वे न तो हिंदू हैं न ब्राह्मण। देश को ये सच्चाई मालूम होनी चाहिए कि इनकी मानसिकता क्या है। कांग्रेस ने आजादी के बाद देश का पहला शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद को बनाया जिनका जन्म मक्का में हुआ था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी गोपनीय विदेश जाकर देश विरोधी शक्तियों से मिलते हैं। इनकी सरकार ने मुगलों के नाम पर दिल्ली में सड़क मार्गों के नाम रखो गये ऐसा लगा जैसे पाकिस्तान की राजधानी हो गई हो दिल्ली। झारखंड में राहुल गांधी पेपर लीक पर चुप क्यों हैं? इससे पहले प्रकाश पाल 17 जुलाई को भी फिरोज गांधी की कब्र पर गये थे। इस दौरान शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, ओबीची मोर्चा काशी क्षेत्र अध्यक्ष अश्वनी पटेल, मोर्चा महानगर अध्यक्ष आनन्द जायसवाल, पार्षद दीपिका सिंह पटेल, विवेक मिश्रा, अंगद पटेल, राजू पटेल, पीयूष जायसवाल, कृष्णपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 85: अभ्यर्थी हुए शामिल

प्रयागराज। क्षउत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2026 – 27 की बीएड एवं बीएड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शुक्रवार को प्रदेश के 10 जिलों के 13 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई।

प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक ने बताया कि बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा में 85 : अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। प्रवेश परीक्षा पूर्वाह्न 10 से 1 बजे तक आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों एवं कोर कमेटी की तैनाती की गयी थी। जिनकी देखरेख में सभी केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराई गई। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में काफी उत्साह देखा गया। अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी।

प्रयागराज में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर के त्रिवेणी समुदायिक केंद्र तथा राजकीय इंटर कालेज में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क ने प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों से निरंतर परीक्षा के सकुशल संचालन की जानकारी प्राप्त की। प्रवेश परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जाएगा।

टिम्बर व्यापारियों के प्रतिनिधि मंडल ने अपर पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

टिम्बर व्यापारी जितेंद्र सिंह पर हुए हमले के मुख्य आरोपी की गिरफ्तार न होने पर टिम्बर व्यापारियों ने जताई नाराजगी

लखनऊ आज दिनांक 08 अगस्त 2026 को उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी एवं उत्तर प्रदेश लकड़ी व्यापार मंडल के अध्यक्ष देवाशीष देव के नेतृत्व में टिम्बर व्यापारियों ने अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिम श्री धनंजय सिंह कुशवाह से भेंट कर टिम्बर व्यापारी जितेंद्र सिंह पर हुए जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी की तीन हफ्ते बाद भी गिरफ्तारी न हो पाने एवं लूटी गई पिस्टल के बरामद न होने के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। मोहनीश त्रिवेदी ने बताया कि 20 जुलाई 2026 काकोरी में कुछ लोगों द्वारा जितेंद्र सिंह के ऊपर जानलेवा हमला किया गया आरोपियों द्वारा जितेंद्र सिंह की पिस्टल छीन कर उन्हीं के ऊपर कई राउंड फायर किया गया जिसमें वह बाल बाल बच गए उक्त प्रकरण में काकोरी पुलिस ने 5 आरोपियों को पकड़ कर जेल भेज दिया परन्तु अभी तक मुझे आरोपी सहित 3 लोगों फरार है तथा लूटी गई पिस्टल और मोबाइल अभी तक बरामद नहीं हो हुए। वही देवाशीष देव ने बताया कि उक्त घटना से टिम्बर व्यापारियों में रोष बना हुआ है जिसको ले कर आज टिम्बर व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल अपर पुलिस अधीक्षक से भेंट कर ज्ञापन सौंपा तथा उनसे जितेंद्र सिंह की सुरक्षा,दोषियों की जल्द गिरफ्तारी,पिस्टल की बरामदगी एवं दोषियों पर गैंगस्टर के तहत कार्यवाही की मांग रखी गई जिस पर श्री धनंजय सिंह कुशवाह जी ने तत्काल एस एच ओ काकोरी श्री सतीश राठौर जी को कठोर से कठोर कार्यवाही और दोषियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया। उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव अख्तर खान ने कहा कि टिम्बर व्यापारी के साथ हुई इस घटना से व्यापारियों में रोष व्याप्त है यदि जल्दी ही फरार दोषी पकड़े नहीं गये तो टिम्बर व्यापारी धरने पर बैठने का काम करेंगे।

इस दौरान जितेंद्र सिंह, एजाज खान अच्छू,ब्रह्मानंद, मनोज सिंह सहित दर्जनों टिम्बर व्यापारी मौजूद रहे

विधायक विनोद सिंह की पहल पर शासन ने शुरू की कवायद

जलशक्तिमंत्री ने प्रमुख सचिव को भेजा पत्र

संवाददातां

सुल्तानपुर। अयोध्या धाम में सिंचाई विभाग के अतिथि गृह निर्माण की उम्मीद अब बढ़ गई है। सुल्तानपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह की पहल पर रखे गए प्रस्ताव पर शासन स्तर से कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने प्रस्ताव पर आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रमुख सचिव, सिंचाई विभाग को पत्र भेजा है। विधायक विनोद सिंह ने प्रयागराज–अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–330) पर अयोध्या धाम के समीप सिंचाई विभाग की खाली पड़ी भूमि पर अतिथि गृह निर्माण का प्रस्ताव शासन के समक्ष रखा था। प्रस्ताव में सिंचाई विभाग की गाटा संख्या 42 एवं 49 में स्थित भूमि का उल्लेख किया गया है। जलशक्ति मंत्री ने

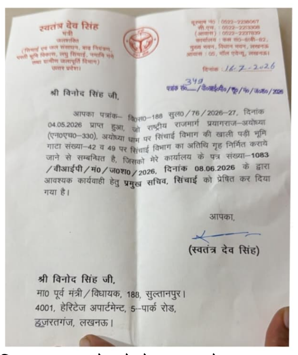
स्वतंत्र देव सिंह
मंत्री
जलशक्ति
दिनांक: 16-7-2026
श्री विनोद सिंह जी,
आपका पत्रांक– वि0स0–188 सुल0/76/2026–27, दिनांक 04.05.2026 प्राप्त हुआ, जो राष्ट्रीय राजमार्ग प्रयागराज–अयोध्या (एनएच0–330), अयोध्या धाम पर सिंचाई विभाग की खाली पड़ी भूमि गाटा संख्या–42 व 49 पर सिंचाई विभाग का अतिथि गृह निर्मित कराये जाने से सम्बन्धित है, जिसको मेरे कार्यालय के पत्र संख्या–1083 /बीआईपी/मं0/ज0श0/2026, दिनांक 08.06.2026 के द्वारा आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रमुख सचिव, सिंचाई को प्रेषित कर दिया गया है।
आपका,
(स्वतंत्र देव सिंह)
श्री विनोद सिंह जी,
मा0 पूर्व मंत्री/विधायक, 188, सुल्तानपुर।
4001, हेरिटेज अपार्टमेन्ट, 5–पार्क रोड,
हजरतगंज, लखनऊ।

विधायक को भेजे पत्र में बताया कि उनके कार्यालय से प्राप्त प्रस्ताव को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रमुख सचिव, सिंचाई विभाग को भेज दिया गया है। प्रस्ताव को लेकर विभागीय स्तर पर पत्राचार भी शुरू कर दिया गया है। अतिथि गृह के निर्माण से अयोध्या धाम आने वाले सिंचाई विभाग के अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ विभागीय कार्यों से आने वाले अन्य लोगों को भी ठहरने की सुविधा मिल सकेगी। इसके अलावा विभागीय बैठकों और आवश्यक सरकारी कार्यों के लिए भी यह सुविधा उपयोगी साबित होगी। विधायक विनोद सिंह क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों को लगातार शासन के समक्ष उठाते रहे हैं। इसी क्रम में अयोध्या धाम में सिंचाई विभाग के अतिथि गृह का प्रस्ताव भी शासन की प्रक्रिया में पहुंचा है।

कजरी और झूला झूलने की परंपरा विलुप्त

जौनपुर। आधुनिकता की चकाचौंध में प्राचीन परंपराएं विलुप्त हो जा रही हैं। ऐसी ही एक परंपरा सावन में कजरी गाने व झूला झूलने की है। अब बगीचों में पेड़ों पर झूले नहीं लगते। बहन–बेटियां अब झूलों पर पटेंग नहीं मारतीं। हालांकि लोगों को वह पुराना दिन काफी याद आता है। सावन का महीना शुरू होते ही पेड़ों पर झूले दिखाई देने लगते थे। गांव–मोहल्लों से कजरी कानों में गूंजने लगती थी।नवविवाहिताएं सावन शुरू होते ही अपने हाथों में मेंहदी रचाकर पीहर आ जाती थीं। मोहल्लों में एक पेड़ ऐसा चुना जाता था, जहां दिन में गांव की सभी बहू, बेटियां, बच्चे पटेंग मारते थे। रात में मोहल्ले भर की बहन बेटियां और महिलाएं एकत्रित होकर सावन के गीत गाते हुए झूला झूलती और श्रावणी गीतों का आनंद लेती हुई एक दूसरे से हंसी ठिठोली करती नजर आती थीं। धीरे–धीरे समय परिवर्तन के साथ ही सावन के झूले विलुप्त हो चुके हैं। दो दशक पूर्व श्रावण मास की बारिश में भीगते हुए बागों में आम के पेड़ों में भी झूला झूलना, बारिश के बहते पानी में कागज की नाव बना कर चलाना जैसी खुशियां अब नहीं दिखाई देती। समय के साथ पेड़ गायब होते गए और बहुमंजिला इमारतों के निर्माण से आंगन का अस्तित्व लगभग समाप्त होने को है। ऐसे में सावन के झूले भी इतिहास बनकर परंपरा से गायब होते जा रहे हैं। प्रकृति के संग जीने की परंपरा थमती जा रही है। सावन में बगीचों में झूले की जगह अब घर की छत, लान या आंगन में ही रेडीमेड फ्रेम वाले झूले, लोहे और बांस के झूलों ने ले लिया है। पूर्व में संयुक्त परिवार हुआ करता था। समूचे परिवार में बुजुर्गों की छत्रछाया और उनके सानिध्य में सभी पारिवारिक सदस्य एक दूसरे से जुड़े रहते थे, लेकिन अब एकल होते परिवार और गांवों में फैल रही वैमनस्यता ने तो आपसी स्नेह को समाप्त कर झूला झूलने के रिवाज को ही खत्म कर दिया है। अब न तो पहले जैसे बाग बगीचे रहे न मोर, पपीहे और कोयल की मधुर बोली ही सुनने को मिलती है।

पांच लाख झंडे बनाने में जुटी समूहों की महिलाएं

जौनपुर। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तिरंगा झंडों की सिलाई में दिन–रात जुटी हैं। जिले में निर्धारित पांच लाख तिरंगों की सिलाई के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक चार लाख से अधिक झंडे तैयार किए जा चुके हैं।अभियान के तहत जिले के सभी विकासखंडों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को तिरंगा सिलाई का जिम्मा दिया गया है। इसी क्रम में उपायुक्त (स्वतः रोजगार), जिला पंचायत राज अधिकारी और जिला मिशन प्रबंधक ने धर्मापुर, मुफ्तीगंज और केराकत विकासखंडों में संचालित तिरंगा सिलाई केंद्रों का निरीक्षण किया। धर्मापुर में वैष्णवी महिला स्वयं सहायता समूह दशरथपुर और उत्कर्ष महिला स्वयं सहायता समूह धर्मापुर की महिलाएं तिरंगे तैयार करती मिलीं। वहीं मुफ्तीगंज में यमुना आजीविका स्वयं सहायता समूह निशान और पयहारी बाबा महिला स्वयं सहायता समूह कुंडी की महिलाएं सिलाई कार्य में जुटी रहीं।जिले के विभिन्न विकासखंडों में करीब 300 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तिरंगा तैयार करने में योगदान दे रही हैं। अभियान के जरिए जहां देशभक्ति की भावना को मजबूत किया जा रहा है, वहीं ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और अतिरिक्त आय का अवसर भी मिल रहा है। निर्देश दिया है कि तिरंगों की सिलाई का कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि अन्य विभाग भी अपनी जरूरत के अनुसार आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से तिरंगों की सिलाई करा सकते हैं। इससे अभियान को और गति मिलेगी तथा ग्रामीण महिलाओं की आजीविका भी मजबूत होगी।

जयसिंहपुर क्षेत्र में शोक संतप्त परिवारों के बीच पहुचे सपा नेता, जताई संवेदना

सुलतानपुर। सदर जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में सपा के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विपिन प्रकाश सिंह दीपक सिंह ने विभिन्न गांवों में पहुंचकर हाल ही में अपनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की और गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जीवन की अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन दुख की इस घड़ी में समाज का साथ और संवेदना पीड़ित परिवारों को संबल प्रदान करती है। दीपक सिंह ने खटवर गांव में सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए चंद्रभूषण वर्मा, बहादुद्दीनपुर में सड़क हादसे के शिकार सोमेश सिंह तथा बगिया गांव में उपचार के दौरान दिवंगत हुए मनोराम यादव के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। इसके अलावा उन्होंने अठैसी गांव में विकास वर्मा की पत्नी के निधन, रामकेवल तिवारी की पुत्रवधू के असामयिक निधन तथा अपने सहपाठी रामसेवक के पुत्र विक्रम कुमार के उपचार के दौरान हुए निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। वहीं बीड़ी गांव पहुंचकर सड़क दुर्घटना में रितेश सिंह के निधन पर उनके परिजनों को सांत्वना दी। शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात के दौरान दीपक सिंह ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में वे और पूरा समाज पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। इस मौके पर सर्वेश सिंह, जयप्रकाश सिंह, नरेंद्र सिंह यादव, गोपाल अग्रहरि, छोटू अग्रहरि, पूर्व प्रधान रामकुमार वर्मा, सानू सिंह, लालमुनि वर्मा, संतोष पांडेय,अरविंद कुमार सिंह, मोनू सिंह, मनोज सिंह,लाल बहादुर प्रजापति,कन्हैया राम, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रदेश मंत्री राकेश बिंद का मां विंध्यवासिनी की पावन धरा पर प्रथम आगमन, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

मीरजापुर।भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश मंत्री श्री राकेश बिंद जी के मां विंध्यवासिनी की पावन धरा मीरजापुर पर प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

भाजपा के लोकप्रिय एवं यशस्वी जिलाध्यक्ष श्री लाल बहादुर सरोज जी के नेतृत्व में कछवां मंडल के मिशन तिराहा, गुरसंडी, विसुंदरपुर, शुक्लहा एवं विंध्याचल सहित विभिन्न स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रदेश मंत्री जी का स्वागत किया।

इस अवसर पर नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्रा जी, उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष माननीय श्री सोहन श्रीमाली जी, जिला उपाध्यक्ष उदयभान तिवारी जी, जिला महामंत्री डॉ. सी.एल. बिंद जी, जिला मंत्री रोहित त्रिपाठी जी, वीरेंद्र प्रताप यादव जी, जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा जी, सतेश सिंह जी, संजय कुमार सिंह जी, राजन केसरी जी, जिला सह मीडिया प्रभारी रतन कुमार सिंह, विजय शक्ति दुबे, शुभम जायसवाल, भाजपा कछवां मंडल अध्यक्ष पवन उपाध्याय जी, मझवां मंडल अध्यक्ष आकाश राय जी सहित शक्ति केंद्र संयोजक एवं बूथ अध्यक्षगण तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं ने प्रदेश मंत्री श्री राकेश बिंद जी का पुष्पमालाओं एवं जयघोष के साथ स्वागत करते हुए उनके प्रथम आगमन पर शुभकामनाएं दीं। पूरे कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं उमंग का माहौल रहा।

दबंगों ने फिर ढहाई दीवार, विरोध पर जानमाल की धमकी का आरोप

बल्दीराय सुल्तानपुर। भाजपा शासन में जहां सरकार लगातार अपराध और दबंगई पर अंकुश लगाने तथा पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने का दावा कर रही है, वहीं बल्दीराय तहसील क्षेत्र में एक पीड़िता ने दबंगों पर बार–बार दीवार गिराने और विरोध करने पर जानमाल की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। मामला थाना धनपतगंज क्षेत्र के पूरे हेमसिंह मजरे रामनगर का है। पीड़िता सुमन देवी पत्नी अजय कुमार ने 7 अगस्त को उपजिलाधिकारी बल्दीराय को दिए प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया कि पूर्व में सचिन व सोनम पुत्रध्पुत्री चंद्र प्रकाश तथा विद्यावती पत्नी चंद्र प्रकाश ने उनकी करीब 22 फीट लंबी और सात फीट ऊंची दीवार जबरन गिरा दी थी। दीवार का निर्माण कराए जाने में भी कथित रूप से बाधा उत्पन्न की गई थी। शिकायत के बाद तत्कालीन उपजिलाधिकारी, तहसीलदार और नायब तहसीलदार के हस्तक्षेप तथा पुलिस बल की मौजूदगी में दीवार का निर्माण कराया गया था। पीड़िता का आरोप है कि अब विपक्षीगण ने बरसात का पानी रोककर तथा फावड़े से नींव क्षतिग्रस्त कर दीवार को दोबारा गिरा दिया। विरोध करने पर मां–बहन की भद्दी गालियां देने, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और मारपीट पर आमादा होने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने कहा कि इससे परिवार में भय का माहौल है और जानमाल का खतरा बना हुआ है। सुमन देवी ने एसडीएम से मामले का संज्ञान लेकर पुलिस बल की अभिरक्षा में दीवार का निर्माण कराने तथा आरोपों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। अब देखना है कि शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप प्रशासन इस शिकायत पर कितनी तेजी से कार्रवाई करता है।

अधिशासी अभियंता 25 हजार का हर्जाना लगाया

जौनपुर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अधिशासी अभियंता विद्युत निगम जौनपुर के खिलाफ 25 हजार रूपए हर्जाना लगाया है। यह हर्जाना उपभोक्ता को परेशान करने के लिए लगाया गया है। फूड मैन्युफैक्चरिंग सेंटरश् कंपनी ने अपने कमर्शियल बिजली कनेक्शन को लेकर बार–बार निगम की कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया। मामले की शुरुआत तब हुई जब लोड बढ़ाने के बाद निगम ने दो साल बाद बिलिंग में गलती बताते हुए 54 लाख रुपये से अधिक की मांग कर दी, जबकि लोड बढ़ाने और मीटर लगाने में उपभोक्ता की कोई गलती नहीं थी। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि निगम गलती सुधार कर मांग तो कर सकता है, लेकिन बिजली काटने जैसी सख्त कार्रवाई नहीं कर सकता। इसके बाद निगम ने एक के बाद एक अलग–अलग रकम के तीन नोटिस जारी किए पहले 2.93 लाख, फिर 54.14 लाख, और अंत में 5.44 लाख रुपये की मांग। हर बार कंपनी को कोर्ट जाना पड़ा और हर बार निगम ने नोटिस वापस ले लिया। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि निगम गलती सुधार कर मांग तो कर सकता है, लेकिन बिजली काटने जैसी सख्त कार्रवाई नहीं कर सकता।इसके बाद निगम ने एक के बाद एक अलग–अलग रकम के तीन नोटिस जारी किए पहले 2.93 लाख, फिर 54.14 लाख, और अंत में 5.44 लाख रुपये की मांग। हर बार कंपनी को कोर्ट जाना पड़ा और हर बार निगम ने नोटिस वापस ले लिया। कोर्ट ने इसे कोर्ट के आदेश की अवमाननापूर्ण अवहेलना बताते हुए कहा कि अधिकारी बिना किसी ठोस और नए कारण के बार–बार नोटिस जारी कर रहे थे। जब कोर्ट ने निगम के वकील से जवाब मांगा तो कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने अधिशासी अभियंता पर शुरू में 5 लाख रुपये हर्जाना तय किया, जिसे वरिष्ठ अधिवक्ता की अपील पर घटाकर 25,000 रुपये कर दिया।

थाने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन एवं पुलिस अधीक्षक जौनपुर श्री कुंवर अनुपम सिंह के द्वारा थाना बरसठी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, अभिलेखों, मालखाना, बैरक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारीध्कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए शिकायतों एवं विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिसकर्मियों की सुविधा हेतु थाना परिसर में नवनिर्मित भोजनालय का उद्घाटन किया गया। भोजनालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए साफ–सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा पुलिसकर्मियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। महोदय द्वारा थाना परिसर में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा आमजन की।

खाद की दुकानों पर छापेमारी, पांच को नोटिस

जौनपुर । किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने और नकली उर्वरकों की बिक्री रोकने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया। जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में उर्वरक प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक छापेमारी की गई। कुल 42 उर्वरक दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षकों ने उर्वरकों की गुणवत्ता, स्टॉक रजिस्टर, विक्रय अभिलेख, लाइसेंस और मूल्य सूची जैसे दस्तावेजों की गहन जांच की। गुणवत्ता परीक्षण के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों से 8 उर्वरक नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर 5 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त, गंभीर अनियमितताओं के कारण 2 दुकानों के लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई भी की गई है। जिलाधिकारी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को उर्वरक प्रतिष्ठानों का नियमित और आकस्मिक निरीक्षण जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि किसानों को निर्धारित दरों पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध हों। जिला प्रशासन ने किसानों से भी अपील की है कि वे अधिकृत विक्रेता से ही उर्वरक खरीदें, पक्का बिल लें और किसी भी अनियमितता की सूचना तत्काल कृषि विभाग या जिला प्रशासन को दें।

सीएचसी ने मरीजों से सुविधाओं को परखा

जौनपुर । शाहगंज स्थित सीएचसी का सीएमओ गंगा राम गौतम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।निरीक्षण के समय चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रफीक फारूकी सहित सभी डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी अपनी ड्यूटी पर मौजूद पाए गए। सीएमओ ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी और दवा वितरण कक्ष सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।सीएमओ अस्पताल में भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत की। उन्होंने मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार की गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सकीय सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया। निरीक्षण के बाद सीएमओ ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार, आवश्यक दवाएं और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। सीएमओ ने जोर देकर कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस ग्रीवांस रिड्रेसल यूनिट को किया सक्रिय

जौनपुर । जनपद के पुलिसकर्मियों की सेवा संबंधी और व्यक्तिगत समस्याओं को अब लंबे समय तक अटका कर नहीं रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के कड़े रुख के बाद 'पुलिस ग्रीवांस रिड्रेसल यूनिट' को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है। इसी क्रम में सरपतहां थाना परिसर में प्रभारी द्वारा पुलिसकर्मियों के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान थाना प्रभारी ने उपस्थित जवानों व अधिकारियों की एक–एक कर व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने मातहतों को भरोसा दिलाया कि उनकी वाजिब मांगों और शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। बैठक में पुलिसकर्मियों को पूरी प्रक्रिया समझाई गई। थाना प्रभारी ने बताया कि यूनिट का मुख्य उद्देश्य पुलिस महकमे के भीतर शिकायतों का पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करना है। उच्चाधिकारियों द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन कराया जाएगा। जवानों की समस्याओं को समय–सीमा के भीतर हल कर उन्हें राहत दी जाएगी, ताकि वे तनावमुक्त होकर अपनी ड्यूटी निभा सकें।

सर्पदंष से महिला सहित दो की मौत

जौनपुर । जिले में सर्पदंश की दो अलग.अलग घटनाओं में महिला और युवक की मौत हो गई। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के बसढुवा गांव में शुक्रवार रात बिस्तर पर सो रहे 32 वर्षीय कल्पनाथ बिंद को सर्प ने डस लिया। कुछ देर बाद नींद खुलने पर उन्हें शरीर में सर्प के काटने का एहसास हुआ। उन्होंने इसकी जानकारी परिजनों को दी। उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बरसठी थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी पंकज गौतम की पत्नी रीना गौतम बच्ची को दूध पिला रही थीं। इसी दौरान सर्प ने उनके पैर में डस लिया। जानकारी होते ही परिजन उन्हें आनन.फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ले जाते समय रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

नहर में लाष मिलने पर चार गिरफ्तार

जौनपुर। मछलीशहर थाना क्षेत्र से गत एक सप्ताह पूर्व लापता हुए व्यक्ति का शव 6 अगस्त को नहर से बरामद होने के बाद मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर नामजद चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिलने पर थाना मछलीशहर में गुमशुदगी दर्ज की गई थी। थाना क्षेत्र की एक नहर में उसका शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया। जांच के दौरान नामजद किए गए चार आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है। क्षेत्राधिकारी मछलीशहर प्रतिमा वर्मा ने बताया कि मामले में चार नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी कर ली गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टोल प्लाजा पर चलती कार में लगी आग

जौनपुर। हौज टोल प्लाजा पर उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब टोल से गुजर रही एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। कार में महिला और बच्ची समेत पांच यात्री सवार थे। आग लगते ही यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। ताया गया कि शॉर्ट सर्किट के कारण कार के सेंसर लॉक हो गए, जिससे उसके दरवाजे नहीं खुल पा रहे थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टोलकर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभाला और बाहर से कार के दरवाजे खोलकर सभी पांच यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद टोलकर्मियों ने अग्निशमन यंत्रों की मदद से कार में लगी आग पर काबू पाया। समय रहते यात्रियों को बाहर निकाल लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया।

ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है।बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू–राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत–बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि 'गिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकता', उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे–धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को 'तुरंत लौटकर सामना करने' की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है।लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी। इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। यदि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसमें भाग लेते हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ सकारात्मक संवाद होता है, तो दोनों देशों के बीच हाल के तनावों को कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह केवल औपचारिक शिखर बैठक नहीं होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का अवसर भी होगी। भारत को इस मंच का उपयोग केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा सहयोग पर भी स्पष्ट संवाद स्थापित करना चाहिए।भारत के सामने अनेक जटिल प्रश्न भी हैं। गंगा जल संधि के नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारे, सीमा–पार व्यापार, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा तथा शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेंगे। इनमें किसी भी विषय पर भावनात्मक या राजनीतिक प्रतिक्रिया के बजाय कानूनी, कूटनीतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। विशेष रूप से प्रत्यर्पण का प्रश्न केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनीतिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारत को अपनी संधियों, न्यायिक प्रक्रियाओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। वर्तमान सरकार के शुरुआती महीनों में चीन के साथ बढ़ते संपर्क और सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर समझौते इस बात का संकेत हैं कि ढाका अपनी विदेश नीति में संतुलन साधने का प्रयास कर रहा है। भारत के लिए आवश्यक है कि वह प्रतिस्पर्धा की मानसिकता के बजाय विश्वास और विकास की साझेदारी को प्राथमिकता दे। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी साझेदारी के नए अवसर विकसित करता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत हो सकते हैं। शेख हसीना की वापसी का प्रश्न अंततः बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा है। यदि उन्हें निष्पक्ष राजनीतिक अवसर मिलता है, तो जनता स्वयं तय करेगी कि भविष्य का नेतृत्व किसे सौंपना है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध, दमन और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख प्रभावित होगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारत को इस पूरे घटनाक्रम में संयम, संतुलन और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ना होगा। न तो उसे किसी आंतरिक राजनीतिक विवाद का पक्षकार बनना चाहिए और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा करनी चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल उद्देश्य एक स्थिर, शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और समृद्ध पड़ोस होना चाहिए। यही उसकी सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए सबसे अनुकूल स्थिति होगी। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक विजय की नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की है। बांग्लादेश को यह सिद्ध करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं, बल्कि विपक्ष के सम्मान, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक सहिष्णुता का भी नाम है। वहीं भारत को यह दिखाना होगा कि वह पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को व्यक्तियों के बजाय संस्थागत विश्वास, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ाने में सक्षम है। दिसंबर 2026 में यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं, तो वह केवल एक नेता की वापसी नहीं होगी, वह बांग्लादेश के लोकतंत्र, भारत की कूटनीतिक परिपक्वता और दक्षिण एशिया की राजनीतिक स्थिरता की एक साथ परीक्षा होगी। यदि इस चुनौती को संवाद, लोकतांत्रिक मर्यादा और विवेकपूर्ण कूटनीति के साथ संभाला गया, तो यह संकट दोनों देशों के संबंधों में एक नए विश्वास और नई शुरुआत का आधार भी बन सकता है। यही समय की सबसे बड़ी मांग है। यहां एक बड़ा प्रश्न यह भी है कि शेख हसीनाा के बांग्लादेश यानी वतन–वापसी से वहां राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को नई धार मिलेगी या फिर वह और अधिक बंट जाएंगी?

सम्पादकीय

अति-समृद्ध लोगों की संख्या में उछाल

ताजा आय कर आंकड़ों से सामने आया है कि श्अति–समृद्धय लोगों की संख्या में भारी उछाल आया है। स्पष्टतरू यह देश में कुछ ही हाथों में तेजी से धन केंद्रित होते जाने का ठोस प्रमाण है।इनकम टैक्स रिटर्न के ताजा आंकड़ों ने भारत में बढ़ती गैर–बराबरी की फिर पुष्टि की है। बेशक, रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या बढ़ी है और प्रत्यक्ष कर की उगाही बढ़ी है, लेकिन इन आंकड़ों ने बढ़ती विषमता और कर प्रणाली की ढांचागत कमजोरियों पर भी रोशनी डाली है। फिर सामने आया है कि फाइल होने वाले अधिकांश रिटर्न में शून्य कर देनदारी होती है। उसके बाद न्यूनतम इनकम स्लैब में आने वाले व्यक्तियों का स्थान होता है। जबकि वास्तविक करदाताओं की संख्या यथावत (लगभग ढाई करोड़) बनी हुई है।

ताजा आंकड़ों से यह जरूर सामने आया कि 100 करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक आय घोषित करने वाले श्अति–समृद्धय लोगों की संख्या में भारी उछाल आया है। स्पष्टतरू यह प्रमाण है कि देश में धन तेजी से कुछ ही हाथों में केंद्रित होता जा रहा है। आयकर आंकड़ों से उभरा सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि प्रत्यक्ष करों का सबसे बड़ा हिस्सा वेतनभोगी वर्ग से आता है। यह प्रमाण है कि आयकर से संबंधित व्यवस्थागत समस्याएं अभी भी कायम हैं। आमदनी के स्रोत पर ही टैक्स काट लिए जाने की प्रणाली के कारण वेतनभोगी कर्मचारी अपनी आय छिपा नहीं सकते। इसके विपरीत यह आम धारणा है कि कई गैर–वेतनभोगी पेशेवरकर्मी (डॉक्टर, वकील आदि) असल आय की जानकारी नहीं देते और वास्तविक देनदारी से कम टैक्स चुकाते हैं।

एक और आंकड़ा गौरतलब हैरू वित्त वर्ष 2025–26 में व्यक्तिगत आय कर के रूप में 12.41 लाख करोड़ रुपये की वसूली हुई, जबकि कॉरपोरेट टैक्स का योगदान 10.99 लाख करोड़ रुपये ही रहा। 2021–22 में व्यक्तिगत आय कर के जरिए हुई उगाही कॉरपोरेट टैक्स से हुई वसूली को पार कर गई थी। तब से ये ट्रेंड बढ़ता ही चला गया है। नतीजतन, उपभोक्ता बाजार में अपेक्षित विस्तार ना होने के बावजूद कॉरपोरेट मुनाफा तेजी से बढ़ा है। यह 2019 में अपनाई गई नीति का परिणाम है, जब केंद्र ने कॉरपोरेट टैक्स की दरों में भारी कटौती कर दी थी। इस तरह सरकार ने अपनी आमदनी घटाई, जिसकी भरपाई वह ऐसे उपायों से करती आई है, जिसका आनुपातिक रूप से अधिक बोझ आम जनता पर पड़ता है।

यह सिर्फ जेन जी की स्मृतियों का मामला नहीं

लाख टके का सवाल है कि जिस पीढ़ी ने पेपर लीक के खिलाफ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेने के लिए जंतर मंतर पर आंदोलन किया या कहीं दूर बैठ कर आंदोलन में हिस्सा लिया, वह कभी क्या भाजपा के ऊपर भरोसा करेगी? यह सवाल इसलिए है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका भरोसा जीतने के लिए कई तरह के उपाय कर रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तीन रील्स पोस्ट की, जिसमें नई पीढ़ी के युवाओं और छात्रों को फ्रेंड्स कह कर संबोधित किया और उनके साथ कनेक्ट करने की कोशिश की। उनकी पार्टी के सांसदों ने पेपर लीक के खिलाफ लाए गए बिल पर संसद के अंदर चर्चा में श्जेन जीय के शलिंगोय यानी उनकी भाषा व शब्दावली का खूब इस्तेमाल किया। ऐसा दिखाया गया, जैसे भाजपा उनकी असली प्रतिनिधि पार्टी है और उनका ख्याल रख रही है। लेकिन उसके बाद भी सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री की रील्स का जैसा मजाक बना और सरकार की हर पहल को जिस तरह से खारिज किया गया वह संकेत है कि इस पीढ़ी का भरोसा भाजपा के ऊपर नहीं बनेगा।इस पीढ़ी की बात करें तो इसकी संख्या बहुत बड़ी है और जब इस पीढ़ी के सारे लोग वोट करने की स्थिति में आएंगे तब भाजपा के सामने असल संकट होगा। एक अनुमान के मुताबिक श्जेन जीय यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी की आबादी 35 से 38 करोड़ के बीच है। यानी कुल आबादी में इनका हिस्सा लगभग 27 फीसदी के करीब बनता है। इनकी उम्र 14 से 29 साल के बीच है। इनमें से एक चौथाई किशोर उम्र के लोगों को निकाल दें, जो अगले चुनाव तक वोट देने के योग्य नहीं हुए होंगे तब भी यह आबादी 25 करोड़ से ऊपर होगी। यानी श्जेन जीय के 25 करोड़ वोटर होंगे। ये सीधे तौर पर इस आंदोलन के हिस्सेदार थे। ध्यान रहे उनका आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के नहीं था, बल्कि अपने अस्तित्व के लिए था। पेपर लीक से उनकी पढ़ाई और परीक्षा दोनों प्रभावित हो रहे थे। इसलिए वे सरकार की विफलता के खिलाफ आंदोलन पर उतरे। उसके बाद पुलिस ने उनके ऊपर लाठी चलाई, आंसू गैस के गोले छोड़े, पैलेट गन से हमला किया और शॉक बैटन से मारा। उनको रोकने के लिए मेट्रो स्टेशन बंद किए गए। इंटरनेट बंद किया गया। ऐप आधारित सेवाओं को रोकने का प्रयास किया गया।

अगर भारत-पाक युद्ध हुआ तो क्या इण्डिया के खिलाफ अपनी सेना उतारेंगे तुर्की-सऊदी

वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग–अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। नाटो के भीतर जब अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच भरोसे की दरारें गहरी हो रही हैं, ठीक उसी समय पश्चिम एशिया में एक नया शक्ति–केंद्र खड़ा करने की कोशिश शुरू हो गई है। मक्का में तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने ऐसा रक्षा समझौता किया है, जिसकी सबसे अहम लाइन में साफ कहा गया है कि तीनों में से किसी एक पर हमला हुआ तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। यही वह बिंदु है, जो इस समझौते को सामान्य सैन्य सहयोग से उठाकर एक संभावित नए क्षेत्रीय सुरक्षा गठबंधन में बदल देता है। हालांकि इसे अभी आधिकारिक तौर पर 'सुन्नी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसके भीतर उसकी बुनियादी तस्वीर जरूर दिखाई देने लगी है।देखा जाये तो मक्का में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन का एक मंच पर आना अपने आप में बड़ा संदेश है। खास बात यह है कि यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम एशिया पहले ही ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की आग में झुलस रहा है। सऊदी अरब पर ईरान और उसके सहयोगी संगठनों के हमलों का खतरा है। पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है और तुर्किये पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका लगातार बढ़ा रहा है। यानी तीनों देश एक–दूसरे की जरूरत बन गए हैं।क्यों हुआ त्रि–पक्षीय समझौता?वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग–अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। दशकों तक रियाद ने अमेरिकी सुरक्षा छाते पर भरोसा किया। लेकिन अब सऊदी नेतृत्व यह मानकर चल रहा है कि बदलती अमेरिकी नीति में किसी एक बाहरी शक्ति पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइल तथा ड्रोन क्षमता ने इस खतरे को और वास्तविक बना दिया है।ऐसे में सऊदी अरब ने अपना सुरक्षा कवच चौड़ा करना शुरू किया है। पाकिस्तान उसके लिए स्वाभाविक साझेदार है। पाकिस्तानी सेना दशकों से सऊदी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देती रही है और हाल के महीनों में पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिकों, लड़ाकू विमानों, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों की मौजूदगी भी बढ़ाई है।वहीं पाकिस्तान की जरूरत बिल्कुल दूसरी है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब से निवेश और आर्थिक मदद चाहिए, जबकि तुर्किये से रक्षा तकनीक और सैन्य सहयोग चाहिए। बदले में पाकिस्तान अपनी सेना और परमाणु क्षमता को मुस्लिम दुनिया की सुरक्षा में सबसे बड़ा सैन्य योगदान बताकर अपनी भू–राजनीतिक अहमियत बढ़ाना चाहता है। वहीं तुर्किये की बात करें तो एर्दोगन लंबे समय से अपने देश को सिर्फ नाटो का सदस्य नहीं, बल्कि मुस्लिम दुनिया की एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किये के पास अत्याधुनिक ड्रोन, रक्षा उद्योग और बड़ी सैन्य ताकत है। पाकिस्तान के साथ उसका रक्षा सहयोग पहले ही तेजी से बढ़ चुका है।यह गठबंधन किसके खिलाफ है?अब सवाल उठता है कि यह गठबंधन किसके खिलाफ है? इस सवाल का जवाब हालांकि तीनों देशों ने नहीं में दिया है। तुर्किये ने साफ कहा है कि समझौता रक्षात्मक है, यह किसी खास देश या संगठन को निशाना नहीं बनाता और दूसरे क्षेत्रीय देशों के लिए भी खुला है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिर्फ दस्तावेज की भाषा नहीं देखी जाती, टाइमिंग भी देखी जाती है। और इस समझौते की टाइमिंग बहुत कुछ कहती है क्योंकि इस समय ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव चरम पर है। ईरान समर्थित हूती, इराकी मिलिशिया और अन्य समूहों की गतिविधियों ने खाड़ी देशों की सुरक्षा चिंता बढ़ाई है। दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर में बदल दिया है। इसलिए यह समझौता भले ही ईरान का नाम न ले, लेकिन ईरान के लिए इसका संदेश साफ है कि सऊदी अरब अब अकेला नहीं है। राजनीतिईरान की बढ़ेंगी मुश्किलेंवहीं इस समझौते के बाद ईरान के लिए नई चुनौती खड़ी हो गयी है। तेहरान अब तक पश्चिम एशिया में अपने प्रभाव का बड़ा हिस्सा सहयोगी और प्रॉक्सी संगठनों के नेटवर्क के जरिए कायम करता रहा है। लेकिन यदि सऊदी अरब को पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और तुर्किये की रक्षा तकनीक का समर्थन मिलने लगे तो क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। यही कारण है कि मक्का समझौते को ईरान के खिलाफ सीधा सैन्य गठबंधन नहीं होते हुए भी ईरान के लिए रणनीतिक चुनौती जरूर माना जा सकता है।इजराइल–अमेरिका को भी संदेश दिलचस्प बात यह है कि इस गठबंधन का एक और बड़ा संदेश इजरायल के लिए भी है। पश्चिम एशिया में जिस 'सुन्नी धुरी' की चर्चा लंबे समय से होती रही है, वह अब सिर्फ राजनीतिक अवधारणा नहीं रहना चाहती। साथ ही यह अमेरिका के लिए भी खतरे की घंटी है और यह समझौता वाशिंगटन के लिए भी सुखद खबर नहीं है। दरअसल सऊदी अरब और तुर्किये दोनों अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था के पुराने साझेदार हैं।

हथकरघा विकसित भारत के भविष्य की बुनाई

गिरिराज सिंह

किसी विकसित राष्ट्र का निर्माण सिर्फ तकनीक से ही निर्धारित नहीं होता। उसका खाका स्थायी खूबियों को भावी प्रगति के वाहक के रूप में बदल सकने की क्षमता से गढ़ा जाता है। अब जबकि हमारा देश शविकसित भारत 2047य की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हम अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश कर रहे हैं, मैन्यूफैक्चरिंग को सुदृढ़ बना रहे हैं और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग को तैयार कर रहे हैं। फिर भी, हमारी हथकरघा परंपरा उन सबसे बड़ी खूबियों में से एक है जो हमेशा हमारे साथ बनी रही है। आगामी 7 अगस्त को जब भारत 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाएगा, तो यह हथकरघा को एक ऐसे रणनीतिक क्षेत्र के तौर पर देखने का उपयुक्त अवसर होगा जो टिकाऊपन, प्रामाणिकता और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला को महत्व देने वाली दुनिया के लिए बेहद अहम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शविकसित भारत 2047य का सपना समृद्धि, आत्मनिर्भरता, समावेशिता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास पर आधारित है। हथकरघा, विरासत और नवाचार को एक साथ जोड़कर इस सपने को साकार करता है। साथ ही, यह महिलाओं के नेतृत्व में विकास, ग्रामीण उद्यमिता, आजीविका और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है।

रामचरितमानस में कहा गया है, सौरज धीरज तेहि रथ चाका। सत्य सील दृढ़ ध्वजा पताका॥

बल बिबेक दम परहित घोरे। छमा कृपा समता रजु जोरे॥

विजय रथ के उपदेश में भगवान राम यह सिखलाते हैं कि स्थायी जीत शक्ति पर नहीं, बल्कि मूल्यों पर आधारित होती है। इन्हीं मूल्यों ने सदियों से भारत की हथकरघा परंपरा को टिकाए रखा है। हाथ से बुना हुआ हर कपड़ा परंपरा को बनाए रखने के साहस, हर धागे को बेहतरीन बनाने के धैर्य, ईमानदार कारीगरी की निष्ठा और पीढ़ियों से चली आ रही समझदारी को दर्शाता है। यही कारण है कि हथकरघा महज एक शिल्प नहीं, बल्कि भारत की महानतम सभ्यतागत खूबियों में से एक है। सबसे पहले कपास की खेती एवं बुनाई करने वाली सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैश्विक व्यापार में भारतीय वस्त्रों के दबदबे वाली अठारहवीं सदी तक, भारत ने वैश्विक स्तर पर वस्त्र निर्माण की उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानक स्थापित किए। बंगाल के प्रसिद्ध मलमल के साथ–साथ बनारसी सिल्क, कांचीपुरम की बुनाई, पोचमपल्ली इकत और अनगिनत क्षेत्रीय परंपराओं ने भारत को दुनिया भर में पहचान और प्रशंसा दिलाई। बंगाल का मलमल तो इतना महीन होता था कि 25 मीटर लंबा कपड़ा भी एक अंगूठी से होकर गुजर जाए। आज जब दुनिया प्रामाणिक, टिकाऊ और हाथ से बने उत्पादों की ओर मुड़ रही है, तो हमारे पास उस अग्रता को फिर से हासिल करने का एक ऐतिहासिक मौका है। हमारी अगली हथकरघा क्रांति के दौरान सिर्फ वस्त्र ही नहीं, बल्कि कारीगरी, विरासत, नवाचार और भरोसे का भी निर्यात होना चाहिए ताकि हाथ से बुना हर उत्पाद श्ब्रांड इंडियाय की पहचान बन सके।

हथकरघा भारत का सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है। यह 35 लाख से अधिक बुनकरों व उनसे जुड़े कामगारों की आजीविका का सहारा है। इन कामगारों में से लगभग 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। पिछले दशक में, सरकार ने श्कच्चा माल आपूर्ति योजनाय, 797 हथकरघा क्लस्टरों, 1.24 लाख से अधिक उन्नत करघों, लगभग 97,000 कारीगरों के कौशल विकास और उत्पादक कंपनियों, जीआई टैग वाले उत्पादों, हैंडलूम मार्क, इंडिया हैंडमेड सर्टिफिकेशन, अर्बन हाट और डिजाइन रिसोर्स सेंटर जैसी पहलों के जरिए इस सेक्टर को सुदृढ़ किया है। आज 29 श्बुनकर सेवा केन्द्रय प्रशिक्षण, कौशल के उन्नयन, डिजाइन के विकास, कच्चे माल संबंधी सहायता और बाजार से जोड़ने जैसी सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। वहीं, 11 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि उन्नत प्रशिक्षण के प्रसार को बढ़ाया जा सके और विशेष प्रकार के अधिक मूल्य वाले हथकरघा उत्पाद बनाए जा सकें। ये पहलें हथकरघा को सिर्फ एक कल्याणकारी गतिविधि के तौर पर समर्थन देने से हटकर, इसे वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी एवं रचनात्मक उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में होने वाले एक बदलाव को दर्शाती हैं। आगामी श्राष्ट्रीय हथकरघा और हस्तशिल्प कार्यक्रमय 500 जिलों में 1,800 क्लस्टरों को सुदृढ़ करेगा, 65 लाख बुनकरों व कारीगरों को लाभान्वित करेगा और श्हैंडमेड इन इंडियाय को एक वैश्विक ब्रांड के तौर पर स्थापित करेगा।

नवाचार हमेशा से भारत की हथकरघा से जुड़ी यात्रा का हिस्सा रहा है। महात्मा गांधी के अंबर चरखे ने सूत कातने के काम को आसान, तेज और अपेक्षाकृत अधिक कुशल बनाया। इससे आत्मनिर्भरता का विजन आगे बढ़ा। हाल ही में, असम के मैना करघे और शिवसागर में विकसित चित्तरंजन हथकरघे ने यह दर्शाया है कि करघे के बेहतर डिजाइन से बुनाई का काम कैसे आसान और अधिक उत्पादक हो सकता है। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान (आईआईटी) के साथ मिलकर बनाया गया श्सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हैंडलूम टेक्नोलॉजीय ऐसे करघे विकसित कर रहा है जो हल्के, मजबूत और उपयोग में आसान हैं। ये करघे शारीरिक मेहनत को कम करते हैं और उत्पादकता बढ़ाते हैं। इसमें दिव्यांग लोगों के लिए भी सुविधाएं शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे।

मिथुन राशि–
आज का दिन आपके लिए बहुत शानदार रहेगा। आज आपको नौकरी में उन्नति के साथ–साथ , दूसरी जगह से भी ऑफर आ सकता है।

कर्क राशि–
आज का दिन आपके सुखद बना रहेगा। आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे और आप किसी नए काम की शुरुआत भी कर सकते हैं।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहेगा। आज आप उन चीजों को महत्व दें जो सच में आपके लिए।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहद खास रहेगा। आज आपको रोजगार में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगें।

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज सोसाइटी में आपको अपनी कार्यशीलता के लिए सम्मानित किया जा सकता है।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहेगा। आज आप नए बिजनेस या फिर उससे सम्बन्धित किसी योजना पर विचार कर सकते हैं।

धनु राशि–
आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। आज प्राइवेट ऑफिस में कार्यरत व्यक्तियों को उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर राशि–
आज का दिन आपके लिए राहत से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा,

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज अनुभवी व्यक्तियों का मार्गदर्शन लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

मीन राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ा लाभ होगा, जिससे आपके घर में खुशियां आएंगी।

448 कुंतल सरकारी राशन की कालाबाजारी का खुलासा, सचिव और सेल्समैन पर प्राथमिकी दर्ज

मेरठ। आम जनता में एक धारणा बन चुकी है कि राशन की दुकान वाले गडघ्घबड़ तो करते ही हैं, इसे चरितार्थ होते हुए उस समय पाया गया जब लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र में गरीबों के लिए आए सरकारी राशन की कालाबाजारी का भंडाफोड़ हुआ है। सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान से 268.77 कुंतल गेहूं और 179.93 कुंतल चावल गायब मिला। जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद खाद्य आपूर्ति विभाग ने आजाद उपभोक्ता सहकारी समिति के सचिव राहत अली और अधिकृत सेल्समैन (राशन बांटने वाले) विकास सक्सेना के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक (नगर क्षेत्र चतुर्थ) शिवानी चौरसिया ने जिलाधिकारी के आदेश पर इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उनका कहना है कि विभागीय आदेश के तहत मैसर्स आजाद उपभोक्ता सहकारी समिति (इस्लामाबाद प्रथम) और उससे संबद्ध एक अन्य निरस्त दुकान का पूरा अनाज दूसरी जगह (सराय बहलीम स्थित खुर्शीदा बेगम की दुकान पर) स्थानांतरित किया जाना था। इसके बावजूद समिति के सचिव और सेल्समैन ने जानबूझकर अनाज का हस्तांतरण नहीं किया। 30 जुलाई 2026 को क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी की संयुक्त टीम ने दुकान पर औचक निरीक्षण किया। जांच टीम के पहुंचने पर सेल्समैन विकास सक्सेना को कई बार फोन किया गया लेकिन उसने फोन रिसीव नहीं किया।

सीढ़ियों के रास्ते पहुंची टीम

इसके बाद समिति के सचिव राहत अली को मौके पर बुलाया गया। उनकी उपस्थिति में जब जांच की गई तो दुकान का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। बगल की सीढ़ियों के रास्ते से जब टीम भीतर पहुंची तो वहां केवल राशन दुकान का बोर्ड रखा था और फर्श पर अनाज के कुछ दाने बिखरे थे। अनाज का पूरा भंडारण खाली था और राशन की जगह वहां अन्य सामान रखा हुआ था।विभागीय अभिलेखों में आ चुका था राशनकम्प्यूटरीकृत (ऑनलाइन) अभिलेखों से पता चला कि 15 जुलाई 2026 को ही अगस्त माह के वितरण के लिए अनाज दुकान पर पहुंच चुका था। पिछले महीने के बचे हुए माल और नए आवंटन को मिलाकर दुकान में कुल 268.77 कुंतल गेहूं और 179.93 कुंतल चावल उपलब्ध होना चाहिए था। लेकिन मौके पर अनाज की एक बोरी भी नहीं मिली। इससे स्पष्ट हो गया कि पूरे अनाज की कालाबाजारी कर दी गई है और कार्डधारकों को उनके अधिकार से वंचित रखा गया है।

इस गंभीर मामले की जांच आख्या 31 जुलाई 2026 को जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गई। पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने 4 अगस्त 2026 को आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति दे दी। इसके बाद लिसाड़ी गेट थाना पुलिस ने आजाद उपभोक्ता सहकारी समिति के सचिव राहत अली और अधिकृत सेल्समैन विकास सक्सेना व अन्य के विरुद्ध आवश्यक वस्तु वितरण आदेश 2016 के उल्लंघन और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3ध्7 के अंतर्गत प्राथमिकी पंजीकृत कर ली है।

रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी के क्रेडिट कार्ड से 586 डॉलर की धोखाधड़ी, अमेरिकी कंपनी के खाते में गए रुपये

मेरठ। मुंबई में आयकर विभाग के प्रधान मुख्य आयुक्त रह चुके रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी असित सिंह के क्रेडिट कार्ड से 586.23 अमेरिकी डॉलर की अवैध निकासी की गई है। उनकी शिकायत पर मेरठ साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। नोएडा के सेक्टर–44 निवासी और भारत सरकार में सचिव स्तर से सेवानिवृत्त अधिकारी असित सिंह किसी निजी काम से मेरठ आए हुए थे। वह मेरठ के ही मूल निवासी हैं। इसी दौरान बुधवार दोपहर 12रू27 बजे उनके फोन पर उनके एचएसबीसी प्रीमियर क्रेडिट कार्ड से श्हर्ट्ज कार रेंटलश्श पर 586.23 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किए जाने का मैसेज आया। जबकि उन्होंने कोई भुगतान नहीं किया था। रिटायर्ड अधिकारी ने तुरंत अपने बैंक से संपर्क किया और कार्ड तथा उक्त लेनदेन पर रोक लगवा दी। जिस कंपनी के नाम पर यह अवैध भुगतान हुआ है। वह अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय कंपनी है। यह एयरपोर्ट आदि पर किराए पर कार उपलब्ध कराती है। यह कंपनी भारत के भी कई प्रमुख शहरों और हवाई अड्डों पर भी अपनी सेवाएं देती है। अंदेशा है कि साइबर ठगों ने अधिकारी के कार्ड की जानकारी चुराकर भारत या विदेश में इसी कंपनी की किसी सेवा का फर्जी तरीके से लाभ उठाया है। एसपी क्राइम अवनीश कुमार ने बताया कि इस मामले में रिटायर्ड अधिकारी की शिकायत पर साइबर थाने में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और की धारा 66 डी और बीएनएस की धारा 318 (4) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। किस मोबाइल नंबर या अकाउंट आदि के जरिये यह भुगतान किया गया है, इसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद अब निकले हैं रवि शंकर कांवड़ यात्रा पर

मेरठ। गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद आप पूरी तरह सामान्य जीवन जी सकते हैं। कोई भी कार्य प्रभावित नहीं होता है। इसका उदाहरण रोहटा निवासी 30 वर्षीय रविशंकर हैं। मां ने गुर्दा दानकर उन्हें नई जिंदगी दी और बेटा आज अपने संकल्प को पूरा करने के लिए कांवड़ यात्रा पर है। सैकड़ों किमी की उनकी यह कावड़ यात्रा अंगदान के महत्व और शिव के प्रति अटूट श्रद्धा की मिसाल है।वर्ष 2022 में रविशंकर का गुर्दा ट्रांसप्लांट हुआ था, जिसमें उनकी मां कौशल्या ने अपनी एक किडनी देकर उन्हें नया जीवन दिया था। यह सफल ट्रांसप्लांट न्यूटीमा हास्पिटल के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संदीप गर्ग की देखरेख में हुआ था। रोहटा क्षेत्र के रहने वाले रविशंकर बताते हैं कि इससे पहले वर्ष 2017 में कांवड़ यात्रा की थी। उसके बाद वह गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे जिस वजह से जोड़े की कांवड लाने का उनका संकल्प अधूरा रह गया था। जो अब पूरा करने निकले हैं। गुरुवार को वे हरिद्वार से जल लेकर अपनी पैदल कांवड़ यात्रा पर वापस रवाना हो चुके हैं। पुरा महादेव मंदिर में पहुंच कर जल चढ़ाएंगे।किडनी फेल होना जीवन का अंत नहींरू डॉ. संदीप गर्गगुर्दा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संदीप गर्ग ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के दोनों गुर्दे स्थायी रूप से काम करना बंद कर दें, तो उसे घबराने या निराश होने की आवश्यकता नहीं है। आज चिकित्सा विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि किडनी फेल होने के बाद भी एक स्वस्थ, सक्रिय और सम्मानजनक जीवन जीना पूरी तरह संभव है। सफल ट्रांसप्लांट के बाद अधिकांश मरीज अपनी नौकरी कर सकते हैं, अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभा सकते हैं, बच्चों की परवरिश कर सकते हैं और सामान्य लोगों की तरह जीवन का आनंद ले सकते हैं।

नगर पंचायत कुमारगंज में विकास की राह में पगडंडी बनी मजबूरी

-दखिनहन का पुरवा आज भी सड़क से महरूम

मिल्कीपुर–अयोध्या। सरकार जहां गांव–गांव तक विकास पहुंचाने और आजादी का अमृत महोत्सव मनाने की बात कर रही है, वहीं नगर पंचायत कुमारगंज के वार्ड नंबर तीन स्थित 200 की आबादी वाला दखिनहन का पुरवा आज भी सड़क जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित है। गांव में रहने वाले लोगों को आवागमन के लिए आज भी पगडंडी का सहारा लेना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में रास्ते पर कीचड़ और पानी भर जाने से ग्रामीणों की मुश्किलें और भी बढ़ जाती हैं। ग्राम वासी सदानंद पांडे ने बताया कि उनकी उम्र करीब 60 वर्ष हो चुकी है, लेकिन आज तक गांव तक पक्का रास्ता नहीं पहुंचा। ग्रामीण पगडंडी के सहारे ही आते–जाते हैं। बारिश होने पर रास्ते में इतना कीचड़ हो जाता है कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। वार्ड नंबर तीन के सभासद जयचंद का मकान भी इसी गांव में है। उनका कहना है कि आसपास लोगों के बाग होने के कारण रास्ता निर्माण में बाधा आ रही है। ग्रामीण पानी और कीचड़ से होकर आने–जाने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि रास्ते के अभाव में कुछ लोग गांव से पलायन कर दूसरी जगह मकान तक बना चुके हैं। इस गांव में रोड तो छोड़िए नाली का भी निर्माण अभी तक नहीं हुआ। गुड़िया पांडे ने बताया कि उनकी शादी को करीब 20 वर्ष हो चुके हैं और तब से वह यहीं रह रही हैं। बारिश शुरू होने के बाद करीब पांच दिन से उनके बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। चारों तरफ कीचड़ होने के कारण बच्चों को स्कूल भेजना मुश्किल है।गांव में करीब 30 मकान ब्राह्मण समाज के और छह मकान दलित बिरादरी के बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक आसपास के बाग मालिकों ने थोड़ी–बहुत जगह रास्ते के लिए दी है, लेकिन अभी निर्माण नहीं हो सका है। गांव में भाजपा और कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के मकान होने के बावजूद ग्रामीण विकास की बाट जोह रहे हैं। ग्रामीण उमानाथ पांडे और निर्मला पांडे समेत अन्य लोगों को उम्मीद है कि जल्द समस्या का समाधान होगा। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष विकास सिंह छोटू ने बताया कि आसपास लोगों के बाग होने के कारण सड़क निर्माण नहीं हो पाया है। नगर पंचायत सड़क बनवाने के लिए प्रतिबद्ध है। चकबंदी स्थगित हो जाने के कारण ही ग्राम वासियों की समस्या बनी हुई है।

शिक्षक व शिक्षिका के बीच अखाड़ा बना विद्यालय

सोहावल–अयोध्या।खण्ड शिक्षा क्षेत्र सोहावल के प्राथमिक विद्यालय सनाहा में तैनात शिक्षक शिक्षिकाओं के लिए अखाड़ा बन गया। कक्षा के छोटे–छोटे बच्चों के विवाद को लेकर प्रधानाध्यापक सहित यहां दो शिक्षक और एक शिक्षिका आपस में भिड़ गये।इनके बीच मारपीट हुई शोर सुनकर ग्रामीण भी पहुंचे। मौके पर जाकर ग्राम प्रधान व कार्यवाहक खण्ड शिक्षा अधिकारी ने मामले की जाँच कर मामला शांत कराया। आरोप है कि सुबह विद्यालय पहुंचने के बाद सहायक अध्यापक विशाल सिंह और सविता देवी के बीच कुछ बच्चों को लेकर बहस चल रही थी। दोनों के बीच आरोप प्रत्यारोप लगाए जा रहे थे। प्रधानाध्यापक राजन ने उन्हें शांत कराने की कोशिश किया तब विवादों में फंसे दोनों शिक्षक शिक्षिका पलटवार करते हुये प्रधानाध्यापक सहित आपस में उलझ गये। नोक झोंक से शुरू हुई बातचीत की नौबत मारपीट तक आ गयी।

12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का भव्य आयोजन बुनकर सेवा केंद्र, मेरठ में संपन्न

मेरठ। भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हथकरघा) के अधीन बुनकर सेवा केंद्र, मेरठ द्वारा 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार सिंह, आईएएस, जिलाधिकारी, मेरठ रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती नूपुर गोयल, आईएएस, मुख्य विकास अधिकारी, मेरठ तथा श्री उमेश कुमार सिंह, अपर आयुक्त उद्योग, मेरठ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न जनपदों से प्रदर्शित हथकरघा उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन किया गया। उन्होंने ललितपुर की साड़ियों, आगरा की दरी एवं बागपत की बेडशीट सहित विभिन्न उत्पादों की सराहना की। तत्पश्चात उन्होंने बुनकर सेवा केंद्र, मेरठ के प्रोसेसिंग सेक्शन, डिजाइन सेक्शन एवं डिजाइन रिसोर्स सेंटर (क्त्ब) का निरीक्षण कर वहाँ संचालित गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।अपने संबोधन में जिलाधिकारी महोदय ने हथकरघा को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताते हुए बुनकरों से गुणवत्ता, नवाचार एवं आधुनिक तकनीकों को अपनाकर उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने तथा शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।इस अवसर पर के.एल. इंटरनेशनल स्कूल एवं सेंट फ्रांसिस वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत एमध्एस बंसल टेक्सटाइल्स द्वारा तैयार हथकरघा कैनवास पेंटिंग का उद्घाटन, एमध्एस मास्टर वीवर्स को–ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के जीआई बागपत फर्निशिंग लोगो का लोकार्पण तथा हथकरघा कैनवास पेंटिंग एवं हॉर्स पेंटिंग प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि ने सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

बच्चों की सुपुर्दगी की मन्नत लेकर कांवड़ यात्रा पर निकली अलीशाबानो, मेरठ में हुआ स्वागत

मेरठ(गाजियाबाद की रहने वाली अलीशाबानो अपने बच्चों की सुपुर्दगी की मन्नत लेकर हरिद्वार से कांवड़ यात्रा पर निकली हैं। शुक्रवार को दिल्ली–देहरादून हाईवे स्थित कांवड़ मार्ग से दादरी बॉर्डर होते हुए मेरठ सीमा में प्रवेश करने पर सकौती में उनका स्वागत किया गया।मेरठ में हुआ स्वागतसकौती में युवा बजरंग दल के प्रांत अध्यक्ष आदेश चौधरी ने अलीशाबानो और उनके साथ कांवड़ ला रहीं तमन्ना मलिक का स्वागत किया। इस दौरान उन्हें भगवान राम परिवार और वीर हनुमान की प्रतिमा भेंट की गई। साथ ही यात्रा के दौरान हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिया गया।बच्चों की सुपुर्दगी के लिए कर रहीं कानूनी लड़ाई

अलीशाबानो ने बताया कि उनके पति इरफान ने उन्हें तलाक दिया था। उनका आरोप है कि उन पर हलाला करने का दबाव बनाया गया और विरोध करने पर उनके दोनों बच्चों को उनसे अलग कर दिया गया। उन्होंने बताया कि बच्चों की सुपुर्दगी के लिए वह दिल्ली की अदालत में कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। इसी मन्नत के साथ वह हरिद्वार से गंगाजल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने जा रही हैं।यात्रा में मिला सहयोग और सम्मानअलीशाबानो ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान उन्हें शिवभक्तों और सेवा शिविरों में पूरा सहयोग और सम्मान मिला। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान उन्हें कहीं भी असहज महसूस नहीं हुआ। उनका कहना है कि उनकी मन्नत पूरी होने की उम्मीद उन्हें इस यात्रा के लिए प्रेरित कर रही है।मन्नत पूरी होने पर फिर निकलीं तमन्ना मलिकअलीशाबानो के साथ कांवड़ यात्रा कर रहीं तमन्ना मलिक ने बताया कि उन्होंने फरवरी में एक मन्नत के साथ कांवड़ यात्रा की थी, जो पूरी हो गई। इसी आस्था के चलते वह दूसरी बार कांवड़ लेकर निकली हैं और इस बार अपनी कांवड़ का जोड़ा भी पूरा कर रही हैं।

सड़क किनारे अचेत अवस्था में मिला अधेड़, दोनों हाथ बंधे होने से मचा हड़कंप

–कुमारगंज बहादुरगंज संपर्क मार्ग पर बिरौली झाम गांव के पास मिला , पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

मिल्कीपुर–अयोध्या,। कुमारगंज थाना क्षेत्र के बिरौली झाम गांव के पास कुमारगंज–बहादुरगंज संपर्क मार्ग पर शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे राहगीरों ने सड़क किनारे एक अधेड़ को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसके दोनों हाथ बंधे हुए थे। राहगीरों ने तत्काल इसकी सूचना कुमारगंज पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कुमारगंज पुलिस मौके पर पहुंची और अचेत पड़े अधेड़ को उपचार के लिए सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर व्यक्ति के रिश्तेदार भी अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल पहुंचे रिश्तेदार रामबालक निवासी तुलसी का पुरवा ने बताया कि सड़क किनारे अचेत अवस्था में मिला व्यक्ति उनका रिश्तेदार है और खंडासा थाना क्षेत्र के बरौली गांव का रहने वाला है। उन्होंने उसकी पहचान राजकुमार यादव (50 वर्ष) के रूप में की। रामबालक के मुताबिक राजकुमार यादव घर पर अकेले रहते हैं, जबकि उनके बच्चे शहर में रहते हैं। राजकुमार यादव इस हालत में सड़क किनारे कैसे पहुंचे और उनके दोनों हाथ किस परिस्थिति में बंधे थे, इसको लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद खंडासा पुलिस भी अस्पताल पहुंची अधेड़ से जानकारी जुटा रहीं हैं । फिलहाल राजकुमार यादव की हालत ठीक बताई जा रही है। पुलिस घटना के पीछे की वजह जानने के लिए विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष कुमारगंज सुरेश पटेल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

प्रत्याशी बनकर अयोध्या पहुँचे तेज नारायण पाडे हुआ स्वागत

–सपा कार्यालय पर नेताओं व पदाधिकारियों ने फूल मालाओं से किया भव्य स्वागत

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन को स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र छोटे लोहिया के जन्मदिन पर लखनऊ में आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन में अयोध्या विधानसभा से सपा प्रत्याशी घोषित किए जाने पर अयोध्या के साधु संतों व्यापारियों किसानों नौजवानों और पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी में खुशी की लहर व्याप्त है सपा प्रवक्ता राकेश यादव ने बताया पूर्व मंत्री तेज नारायण पवन को अयोध्या का प्रत्याशी घोषित होने पर सपा महानगर कार्यालय लोहिया भवन पर उनके प्रथम आगमन पर नि0 महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व महासचिव हामीद जाफर मीसम के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी नेताओं कार्यकर्ताओं सभी फ्रंटल संगठनों ने उनका पार्टी कार्यालय पर फूल मालाओं और एक दूसरे को मुंह मीठा करा कर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन ने कार्यालय पर आए हुए अयोध्या की देवतुल्य जनता पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं नेताओं सभी का आभार व्यक्त करते हुए आत्मविश्वास के साथ कहा आज आप लोगों की खुशी देखकर यह लगता है आप लोगों ने आगामी होने वाले चुनाव में अयोध्या ही नहीं बल्कि फैजाबाद की सभी विधानसभा सीटों पर सपा प्रत्याशी को जीताकर प्रदेश से इस भ्रष्ट गूंगी बहरी भाजपा सरकार को हटा करके 2027 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाएंगे जिससे प्रदेश में फिर से अमन चौन और खुशहाली कायम हो सके नि0 महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने अखिलेश यादव को धन्यवाद देते हुए कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अयोध्या को और ऊंचाई पर ले जाने के लिए अयोध्या विधानसभा से एक साफ सुथरे स्वच्छ और बेदाग छवि के नेता को प्रत्याशी घोषित करके यहां के जनमानस का दिल जीत लिया है और अब यही जनता जनार्दन 2027 मे अयोध्या सीट से इनको अधिक से अधिक वोटो से जीता कर विधानसभा पहुंचाएगी महासचिव हामीद जाफर मीसम ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अयोध्या धार्मिक नगरी के पावन भूमि पर अयोध्या के व्यापारियों नौजवानों शोषित वंचितों के लिए हमेशा आवाज उठाने वाले पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन को प्रत्याशी बनाकर यहां के साधु संतों व्यापारियों और नौजवानों और अयोध्या की देवतुल्य जनता में उत्साह भर दिया है और सभी ने मन बना लिया है की अयोध्या सीट से तेज नारायण पांडे पवन को जिताकर माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष का विश्वास कायम रखेंगे इस मौके पर पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन सभी पार्टी पदाधिकारी नेताओं और कार्यकर्ताओं में पार्टी प्रवक्ता राकेश यादव के जन्मदिन पर केक काटकर माला पहनाकर बड़े धूमधाम से बनाते हुए उनके दीर्घायु होने की कामना की इस मौके पर नि0महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव नि0 महासचिव हामीद जाफर मीसम,प्रदेश सचिव राम अचाल यादव, मोहम्मद हलीम पप्पू उपाध्याय चौधरी श्रीचंद यादव, राकेश पांडे, रियाज अहमद, एडवोकेट मंसूर ईलाही दान बहादुर सिंह, चौधरी बलराम यादव अपर्णा जायसवाल,आरोनी पासवानशादाब खान, मोहम्मद सुहैल,अंसार अहमद, जगन्नाथ यादव,रामनेवल पाल बृजेश सिंह चौहान, राजनाथ यादव,वीरेंद्र गौतम, अपर्णा जायसवाल, पूजा वर्मा,शिवांशु तिवारी, विशाल पाल,फरीद कुरैशी मुकेश कोरी, अजय यादव,औरगंजेब खान नूर बाबू इमरान सैफी अब्बास देवाश्रीवास्तव, गोविंद यादव, मंजीत यादव, राजबली सत्यम यादव, अमन सागर,शाहबाज लकी, मुकेश यादव, सुरेंद्र यादव, अभय त्रिवेदी, सुनील पांडे इस्तखार खान बृजलाल पासी, अली सईद, प्रांजल यादव, राहुल यादव शिवम गुप्ता रत्नेश जायसवाल सिकंदर चौधरी, आदि लोग मौजूद रहे।

युवक को पीट कर किया मरणासन्न, हायर सेंटर रेफर

मिल्कीपुर–अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के खिहारन गांव में शुक्रवार शाम करीब 4.45 बजे एक युवक पर कुछ लोगों ने घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में खिहारन गांव निवासी मोहम्मद गुफरान (40) पुत्र मोहम्मद फारूक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। गुफरान के परिजनों ने बताया कि वह शाम 4.35 बजे किसी काम से गांव से बाहर जा रहे थे। तभी एक सुनसान रास्ते पर आधा दर्जन युवकों ने उन्हें रोक लिया और उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने गुफरान को जमकर मारा पीटा, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। हमला करने के बाद सभी युवक गुफरान को मरणासन्न हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और आनन–फानन में उन्हें एक निजी चिकित्सक के पास ले गए। गुफरान की गंभीर हालत को देखते हुए पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद, उन्हें सरकारी एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को भी दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी बारून बाजार शिवेंद्र पाल दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मुआयना किया।

नौ करोड़ की लागत से कल्याणी नदी पर बनेगा पुल

अयोध्या। अरसे से पारा ग्राम के पास कल्याणी नदी पर पुल की मांग करने वाले ग्रामीणों को रुदौली विधायक रामचंद्र यादव नें शुक्रवार को भूमि पूजन के साथ पुल की सौगात दी है, भारी जनसमूह और उत्साह के बीच समारोह पूर्वक पुल का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ सभा को सम्बोधित करते हुए रुदौली विधायक नें कहाकि यह पुल पारा ग्राम के ग्रामीणों के संघर्ष का परिणाम है जिन्होंने कई दिनों तक पुल की मांग में धरना प्रदर्शन किया था, विधायक रामचंद्र यादव नें बनींकोडर (आंशिक) इलाके के लोगों की मांग पर 6 मार्गो के डामरीकरण तथा 11 ग्राम सभाओं में 47 विद्युत् हाई – मास्ट लाइटों को जनमानस में समर्पित किया, इस पुल के निर्माण से रुदौली विधानसभा में लगने वाली बाराबंकी जनपद की 11 ग्राम सभाओ और दरियाबाद विधानसभा की जनता को दर्जनों किलोमीटर का चक्कर लगाने से निजात मिलेंगी, इस अवसर पर गन्ना समिति चेयरमैन निर्मल शर्मा, धर्मेन्द्र वर्मा, अखिलेश रावत, रघुनन्दन चौरसिया, गन्ना समिति डायरेक्टर राम प्रेस यादव, विश्वनाथ गुप्ता, रामनारायण यादव, लवकुश साहू, महेश प्रसाद यादव, पूर्व प्रधान सुरेश निषाद, प्रधान दारा सिंह वर्मा, वरिष्ठ नेता विश्राम साहू, कोटेदार मनोज यादव, संदीप धीमान बूथ अध्यक्ष जैनाबाद, पूर्व प्रधान देवीदीन यादव, विजय यादव प्रधान मझौटी, जगन्नाथ प्रसाद, प्रवेन्द्र वर्मा सण्डवा भेलू, विद्यालय प्रबंधक पाँचूराम गुप्ता, ग्राम प्रधान योगराज यादव, विजय गुप्ता, अनूप कुमार मिश्रा, विकास गुप्ता, कुलदीप मौर्या, विकास गुप्ता, विनोद बाबा, कोटेदार ढेमा सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

अवध विवि के 31वें दीक्षांत में श्री राम जानकी महाविद्यालय के तीन छात्रों को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

अमानीगंज–अयोध्या। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह में ग्रामीण क्षेत्र के अग्रणी शिक्षण समूह श्री राम जानकी महाविद्यालय के तीन छात्रों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्र के इस महाविद्यालय के छात्रों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपना लोहा मनवाया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी कुलाधिपति स्वर्ण पदक की सूची में नाम आने के बाद महाविद्यालय और छात्रों में खुशी का माहौल है। महाविद्यालय के छात्र निखिल चौधरी ने एमएससी कृषि एंटोमोलॉजी की परीक्षा में 83.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, वहीं छात्र उमाशंकर तिवारी ने एमलिब आईएससी में 79.60 और अमरनाथ ने संगीत गायन में 88.74 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक की सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। तीनों छात्रों ने अपने–अपने संकाय में विश्वविद्यालय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया है। दीक्षांत समारोह का आयोजन 12 अगस्त को होगा, जिसमें राज्यपाल महोदया मेधावी छात्रों को मेडल और उपाधि वितरित करेंगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एके शुक्ला ने बताया कि हमारे यहां अच्छे शैक्षिक वातावरण में शिक्षा दी जाती है और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिसके फलस्वरूप ही कुलाधिपति के स्वर्ण पदक की सूची में तीन छात्रों का नाम आया है। यह हम सभी के लिए गर्व और खुशी की बात है। इस उपलब्धि से जहां अध्ययनरत छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी वहीं शिक्षकों का भी मनोबल बढ़ेगा।

स्वतंत्रता सेनानी राजबली यादव की कल मनाई जाएगी पुण्यतिथि

अयोध्या। जनपद के प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व विधायक राजबली यादव की पुण्यतिथि आगामी 9 अगस्त को मनाई जाएगी। श्री यादव का देहांत 9 अगस्त 2000 को हुआ था।वह स्वतंत्रता आंदोलन में 1930 में पहली बार थाना राजे सुल्तानपुर पर युनियन जैक उतारने तथा तिरंगा फहराने के आरोप में गिरफ्तार हुए थे। इसके बाद देश के आजाद होने तक लगातार आंदोलन से जुड़े रहे। राजबली यादव स्मारक इंटर कालेज मडना पूराबाजार में आयोजित पुण्यतिथि प्रातः काल 11 बजे से शुरू होग। विद्यालय के प्रबंध निदेशक रवी यादव एडवोकेट ने बताया कि इस क्षेत्र से उनका गहरा लगाव रहा है। उन्होंने समाज के सभी लोगों को आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

पूजित माटी के कलश के साथ गूंजा समरसता का संदेश

अयोध्या। संत रविदास के 650वें जयंती वर्ष को समर्पित समरसता संकल्प अभियान के तहत भाजपा ने अयोध्या और देवकाली मंडल में कलश वंदन यात्रा के माध्यम से सामाजिक समरसता का संदेश दिया। संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर से लाई गई पूजित माटी के कलश को यात्रा का केंद्र बनाया गया। दोनों मंडलों में अलग–अलग मार्गों से निकली यात्राओं का विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। अयोध्या मंडल में यात्रा की शुरुआत टेढ़ी बाजार स्थित बृहस्पति कुंड से हुई। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने पूजित माटी के कलश के साथ यात्रा को रवाना किया। यात्रा अशर्फी भवन पहुंची। इसके बाद मतगजेंद्र मंदिर पर डा. प्रज्जवल सिंह व विकास गुप्ता ने यात्रा का स्वागत किया। विद्याकुंड में रामभजन वर्मा व अवधबिहारी साहू ने स्वागत किया। चूड़ामणि चौराहे पर संजय गुप्ता और अजय गौड़ ने यात्रा का अभिनंदन किया।

दर्शन नगर सूर्यकुंड में रामजन्म विश्वकर्मा और अरविन्द शुक्ला ने स्वागत किया। देवकाली मंडल में यात्रा का शुभारंभ अंबेडकर पार्क से हुआ। यात्रा के चौक पहुंचने पर राजेश गौड़ व किशन ने स्वागत किया। वजीरगंज में शकुंतला गौतम व शकुंतला मौर्या ने यात्रा का अभिनंदन किया।

सेवा भारती ने लगाया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

-प्रांत महामंत्री बोले-चित्रकूट की सेवा गतिविधियां पूरे प्रांत में मिसाल

चित्रकूट। जनपद की अग्रणी समाजसेवी संस्था सेवा भारती की ओर से ग्राम लोढवारा स्थित काशीराम आवास परिसर में शोषित, वंचित एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं ब्लड टेस्ट शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सेवा भारती के प्रांत महामंत्री राम शंकर, जिला महामंत्री राज किशोर शिवहरे, अध्यक्ष गुरु प्रकाश शुक्ला, प्रचार प्रमुख शंकर यादव, स्वावलंबन प्रमुख शिवकुमार, कोषाध्यक्ष राज किशोर त्रिपाठी तथा लोढवारख गांव के पूर्व प्रधान हरिमोहन यादव ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया।शिविर में काशीराम आवास एवं आसपास के गांवों के हजारों लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई और ब्लड टेस्ट सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सकों ने लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श भी दिया। इस अवसर पर सेवा भारती के प्रांत महामंत्री राम शंकर ने कहा कि सेवा भारती चित्रकूट द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य पूरे प्रांत में सबसे उत्कृष्ट हैं। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों और कम संख्या बल के बावजूद संस्था के कार्यकर्ता सेवा बस्तियों में जिस निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। वह अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि धरातल पर किए जा रहे सेवा कार्यों को देखकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का अनुभव हुआ। जिला महामंत्री राज किशोर शिवहरे ने कहा कि सेवा भारती चित्रकूट बिना किसी दबाव या प्रभाव के केवल सेवा भाव को अपना उद्देश्य मानकर कार्य कर रही है। भविष्य में भी यह अभियान जारी रहेगा। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधान हरिमोहन यादव, जिला अस्पताल से डॉ. प्रदीप शुक्ला, काउंसलर राखी अवस्थी, ब्लड टेस्ट टीम के अशोक गुप्ता, वार्ड ब्वॉय इमरान खान, संदीप रैकवार, हंस फाउंडेशन से डॉ प्रशांत राज सिंह, नर्स नमिता जायसवाल, फार्मासिस्ट आदित्य यादव, एलटी राजकुमार पटेल सहित सेवा भारती के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

कृषि यंत्रों पर अनुदान का इच्छुक किसान शीघ्र उठायें लाभ - जेएल गुप्ता

चित्रकूट। कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना, प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन–सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजड्यू, एनएफएसएम योजना के अंतर्गत कृषि यंत्र, किसान ड्रोन, कस्टम हायरिंग सेंटर, हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग व फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना, फसल अवशेष प्रबंधन के कृषि यंत्र एवं अन्य कृषि रक्षा उपकरण पर जिले के किसानों को अनुदान का लाभ लेने के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया जारी है। इच्छुक किसान 10 अगस्त तक हर हाल में कृषि विभाग पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

उप कृषि निदेशक जीत लाल गुप्ता ने बताया कि बुकिंग प्रक्रिया 10 अगस्त की रात 12 बजे तक होगी। जिसमें हैरो, कल्टीवेटर, पॉवर चेप कटर, स्ट्रारीपर, रोटावेटर, कंबाइन हार्वेस्टर विथ सुपर एसएमएस फॉर्म मशीनरी बैंक, बैच ड्रायर एवं मेज सेलर कस्टम हायरिंग सेंटर व हाईटेक हब फॉर कस्टम हायरिंग आदि यंत्रों की बुकिंग विभागीय पोर्टल की वेबसाइट पर जनपद वार की जाएगी। उन्होंने किसानों से अपील की है कि पोर्टल पर जाकर लिंक पर किसान कॉर्नर के अंतर्गत यंत्र बुकिंग प्रारंभ पर क्लिक कर अतिशीघ्र ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के समय ही किसान को यंत्रवार निर्धारित बुकिंग धनराशि ऑनलाइन जमा करना होगा। उन्होंने किसानों से योजना का लाभ उठाने की अपील की है।बताया कि योजना के तहत 10 हजार से एक लाख रूपए तक अनुदान के कृषि यंत्रों की बुकिंग को 2500 रुपए व एक लाख रुपए से अधिक के कृषि यंत्रों की बुकिंग को 5000 रुपए की धनराशि टोकन मनी के तौर पर जमा करनी होगी। आवेदक द्वारा एक मोबाइल नंबर अथवा अपने परिवार के रक्त संबंधी सदस्य माता–पिता, भाई–बहन, पुत्र–पुत्री व पुत्रवधू के मोबाइल नंबर से ही आवेदन किया जा सकेगा। सत्यापन के समय इसकी पुष्टि की जाएगी।

नोडल अधिकारियों ने सहकारी समिति व उर्वरक विक्रय केंद्रों पर की छापेमारी

- नौ उर्वरक केंद्रों में संदिग्ध खाद के भरे नमूने

चित्रकूट। खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने, कालाबाजारी, अनाधिकृत भंडारण, टैगिंग तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरक विक्रय करने एवं अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिले 39 उर्वरक विक्रय केंद्रों एवं सहकारी समितियों पर सघन निरीक्षण एवं छापामार अभियान चलाया गया। उप कृषि निदेशक जीत लाल गुप्ता के नेतृत्व में कृषि विभाग की टीमों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर उर्वरकों के भंडारण, वितरण, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री अभिलेख तथा मूल्य सूची की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान नामित नोडल अधिकारियों ने दुकानदारों को निर्धारित दरों पर ही उर्वरक बेचने तथा किसानों को अनिवार्य रूप से रसीद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी प्रकार की जमाखोरी, कालाबाजारी,प्रदेश व जिले के बाहर के किसानों को उर्वरक विक्रय करने या अधिक मूल्य वसूली की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। उप कृषि निदेशक जीत लाल गुप्ता ने बताया कि अभियान के दौरान नौ उर्वरक विक्रय केंद्रों एवं सहकारी समितियों से उर्वरकों के नमूने लेकर उन्हें गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। इन नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि किसी नमूने में गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित विक्रेता के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला कृषि अधिकारी आर के वर्मा ने किसानों से अपील की है कि वे केवल लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदें, खरीद की रसीद अवश्य लें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी या अधिक मूल्य वसूली की सूचना तत्काल कृषि विभाग को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस मौके पर भूमि संरक्षण अधिकारी बलजीत वर्मा,सुनील पासवान, सुचिता विश्वकर्मा,अमित सिंह, उर्वरक निरीक्षक डॉ रंजीत सरोज, एसडीओ कोऑपरेटिव बिजेन्द्र मिश्रा आदि मौजूद रहे।

शराब के नशे में पानी टंकी पर चढ़ा अधेड़, दो घटे तक चला हाईवोल्टेज ड्रामा

मड़िहान, मीरजापुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के देवरी गांव स्थित शुक्रवार की दोपहर एक अर्दध विक्षिप्त अधेड़ के पानी की टंकी पर चढ़ जाने से हड़कंप मच गया।शराब के नशे में धुत अधेड़ करीब 2 घंटे तक टंकी पर खड़े होकर हाईवोल्टेज ड्रामा करता रहा।टंकी पर लगे अर्थ के तार को भी तोड़ने लगा।ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद पैसे का लालच देकर उसे नीचे उतारा। जानकारी के अनुसार पचोखरा खुर्द गांव निवासी भग्गू कोल उम्र 52 वर्ष वह करीब एक माह से मड़िहान थाना क्षेत्र के देवरी गांव में अपने बहनोई नंदू कोल के घर रह रहा था।पानी टंकी के पम्प ऑपरेटर उपेंद्र यादव उर्फ जोगी यादव ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे वह अंदर काम कर रहे थे। तभी अर्दध विक्षिप्त भग्गू शराब के नशे में सुनसान देख पानी की टंकी पर चढ़ गया और ड्रामा शुरू कर दिया।टंकी पर खड़े होकर वह गाली–गलौज करने लगा और वहां लगे अर्थ के तार को तोड़ने का प्रयास करने लगा।देखते ही देखते दर्जनों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। 50 फीट ऊंची टंकी पर चढ़े युवक को देखकर हर कोई दहशत में आ गया।इसी बीच वह कई बार उचाई से गिरते गिरते भी बचा। काफी समझाने के बाद भी जब वह नहीं माना तो ग्रामीणों ने ही किसी तरह पैसे का लालच देकर उसे नीचे उतारा। नीचे उतरते ही उसे उसके बहनोई नंदू कोल को सौंप दिया गया।पम्प ऑपरेटर ने बताया कि अगर समय रहते उसे नहीं उतारा जाता तो करंट लगने या गिरने से कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

ग्रामीणों ने कहा कि टंकी की सुरक्षा व्यवस्था ठीक नहीं है। नशे में धुत लोग आसानी से चढ़ जा रहे हैं। प्रशासन से मांग की कि टंकी की घेराबंदी और सुरक्षा बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो।

पटेहरा कला में दिव्यांगजन चिन्हांकन एवं पंजीकरण कैंप आयोजित, बड़ी संख्या में पहुचे लाभार्थी

मड़िहान, मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के निर्देशानुसार विकासखंड पटेहरा कला के सभागार में शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक दिव्यांगजन विभाग द्वारा विशेष दिव्यांगजन चिन्हांकन एवं पंजीकरण कैंप का आयोजन किया गया।कैंप में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन पहुंचे, जहां पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर उन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा लाभार्थियों को आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया गया।

राजगढ़ के आरक्षी पर एसपी का चला हंटर

मीरजापुर। जिले के राजगढ़ थाने पर तैनात मुख्य आरक्षी का अवैध वसूली से संबंधित वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने कड़ा रुख अपनाते हुए तत्काल प्रभाव से उक्त आरक्षी को निलंबित कर दिया है। बताते चलें कि अवैध शराब की बिक्री का हिसाब रखने में माहिर राजगढ़ थाने में तैनात कारखास द्वारा अवैध शराब की बिक्री के एवज में पैसा मांगा जा रहा था, जिसकी बातचीत वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे की जहां खूब किरकिरी होने लगी थी वहीं राजगढ़ थाना पर नियुक्त पुलिसकर्मी के सोशल मीडिया पर ऑडियो क्लिप वायरल होने को संज्ञान में लेकर प्रभारी निरीक्षक राजगढ़ से जांच करायी गयी

कार्यशाला में स्तनपान का बताया गया महत्व

चित्रकूट। विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में 200 शैय्या मातृ एवं शिशु चिकित्सालय खोह में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्तनपान के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया गया कि एक शिशु के लिए माँ का दूध सर्वप्रथम आहार है। शिशु के जन्म के एक घण्टे के अन्दर ही उसे स्तनपान कराने से शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। छह माह की उम्र तक शिशु को सिर्फ माँ का दूध पर्याप्त होता है। छह माह के उम्र के बाद ही शिशु को पूरक आहार दिया जाना चाहिए। माँ को पर्याप्त दूध हो इसके लिए माँ को भी पर्याप्त पोषण युक्त आहार लेना चाहिए। शिशु को दिन में हर दो घण्टे के अन्तराल पर माँ का दूध पिलाना चाहिए एवं प्रत्येक बार स्तनपान कराने के पश्चात शिशु को माँ के कंधे के सहारे रखकर पीठ पर हल्की दस मिनट थपकी देने के बाद ही लिटाना चाहिए। जिससे कि डकार निकल जाये। ऐसा न करने पर लिटाने पर दूध साँस नली में जा सकता है जो शिशु के लिए खतरा हो सकता है। माँ को हमेशा बैठकर ही शिशु को दूध पिलाना चाहिए। कार्यशाला का आयोजन सीएमएस डॉ ओपी भास्कर की उपस्थिति में किया गया।

बाल श्रम और बाल तस्करी के खिलाफ समग्र लड़ाई ही स्थायी समाधान - आदित्य मिश्रा

चित्रकूट। भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। ऐसे में देश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि उसके बच्चों को कितना सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिल पाता है। लेकिन आज भी हजारों बच्चे बाल श्रम, मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी और यौन शोषण जैसे संगठित अपराधों का शिकार बन रहे हैं। यह केवल कानून–व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवाधिकार और विकास का गंभीर प्रश्न है।

अक्सर बाल श्रम को केवल किसी दुकान, होटल, फैक्ट्री या ईंट–भट्ठे में काम करते बच्चे तक सीमित कर दिया जाता है, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक गंभीर है। अधिकांश मामलों में बाल श्रम, बाल तस्करी की अंतिम कड़ी होता है। गांवों और गरीब परिवारों से बच्चों को रोजगार, अच्छी आय या बेहतर भविष्य का सपना दिखाकर शहरों और दूसरे राज्यों में ले जाया जाता है। वहां उन्हें बंधुआ मजदूरी, घरेलू काम, कारखानों, भीख मंगवाने अथवा यौन शोषण जैसे अपराधों में धकेल दिया जाता है। इसलिए बाल श्रम और बाल तस्करी को अलग–अलग नहीं, बल्कि एक ही संगठित अपराध के दो रूपों के रूप में देखने की आवश्यकता है।

हाल ही में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन द्वारा आयोजित सपोर्ट पर्सन ट्रेनिंग में इस विषय पर गहन चर्चा हुई। प्रशिक्षण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह था कि किसी बच्चे को शोषण से मुक्त कराना अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि यह न्याय की प्रक्रिया का पहला कदम है। यदि बचाए गए बच्चे को समय पर पुनर्वास, शिक्षा, मनोसामाजिक सहयोग और कानूनी सहायता नहीं मिलती, तो उसके दोबारा शोषण का खतरा बना रहता है।

प्रशिक्षण में बताया गया कि सपोर्ट पर्सन बच्चे और न्याय व्यवस्था के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होता है। प्रशिक्षण के दौरान इस बात पर भी विशेष बल दिया गया कि बाल तस्करी के मामलों में केवल बच्चे को छुड़ाना पर्याप्त नहीं है। यदि तस्करों, एजेंटों, परिवहन श्रृंखला और शोषण करने वाले नियोक्ताओं के पूरे नेटवर्क पर कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, तो अपराध लगातार दोहराया जाता रहेगा। इसलिए प्रत्येक मामले की जांच मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी, बाल श्रम और अन्य संबंधित कानूनों के तहत समग्र रूप से की जानी चाहिए। आज आवश्यकता केवल बच्चों को छुड़ाने की नहीं, बल्कि पूरे तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने की है। गांवों में सक्रिय एजेंट, परिवहन करने वाले गिरोह, फर्जी प्लेसमेंट एजेंसियां और बच्चों का शोषण करने वाले नियोक्ताकृइन सभी के खिलाफ एक साथ कार्रवाई करनी होगी। जब तक पूरी श्रृंखला नहीं टूटेगी, तब तक बाल श्रम और बाल तस्करी पर स्थायी रोक लगाना संभव नहीं होगा।

जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति के कार्यक्रम समन्वयक आदित्य मिश्रा का कहना है, बाल श्रम और बाल तस्करी के खिलाफ लड़ाई केवल कानून लागू करने से नहीं जीती जा सकती। यदि किसी गांव से एक भी बच्चा तस्करी का शिकार होता है, तो यह केवल उस परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की विफलता है। जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन की सपोर्ट पर्सन ट्रेनिंग ने यह स्पष्ट किया कि रेस्क्यू के साथ–साथ पुनर्वास, न्याय और सामाजिक पुनर्स्थापन पर समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है।

डीसीएम ट्रक अगला टायर फटने से डीसीएम बल्कर में टकराया, चालक घायल

’केबिन में फंसे चालक को एक घटे की कड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया बाहर

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के वाराणसी रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान के पास शुक्रवार दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब मिर्च लदे डीसीएम ट्रक का अगला टायर फटने से ट्रक अनियंत्रित होकर आगे चल रहे सीमेंट लदे बल्कर में पीछे से जा टकराया। हादसे में ट्रक चालक केबिन में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। महाराष्ट्र के गोले गांव से मिर्च लादकर देवरिया जा रहा डीसीएम ट्रक जैसे ही ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान से सौ मीटर पहले पहुंचा तो ट्रक अगला टायर अचानक फट गया। अनियंत्रित ट्रक बल्कर में पीछे से जा टकराया। हादसे में तीस वर्षीय ट्रक चालक राजा उर्फ सचिन निवासी बारा दौलतपुर, घाटमपुर जिला कानपुर नगर को बाहर निकालने के लिए पीछे से आ रहे अन्य ट्रक चालकों व स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत की लेकिन कामयाब नही हो सके। सूचना के करीब पचास मिनट बाद घटनास्थल पर पहुंचे फायरब्रिगेड कर्मी व पुलिसकर्मियों ने गैस कटर मशीन से केबिन को काटकर किसी तरह से घायल चालक को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक को पुलिस ने एनएचएआई की एंबुलेंस से उपचार हेतु सीएचसी लालगंज भिजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चालक के पैर में आई गंभीर चोट को देखते हुए चिकित्सक ने मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया।

हालात बारिश में बह गया गांव का संपर्क मार्ग

’292 स्कूली बच्चों की जान पर खतरा, ग्रामीणों ने कंधों पर पार कराया रास्ता

मड़िहान, मीरजापुर। मड़िहान तहसील क्षेत्र के पटेहरा ब्लॉक अंतर्गत बभनी थपनवा गांव में गुरुवार शाम हुई तेज बारिश ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अस्थायी निर्माण की पोल खोल दी। बारिश के तेज बहाव में गांव का संपर्क मार्ग बह जाने से पूरे गांव का आवागमन प्रभावित हो गया। सबसे अधिक परेशानी कंपोजिट विद्यालय में पढ़ने वाले करीब 292 छात्र–छात्राओं को उठानी पड़ रही है, जिन्हें जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है। शुक्रवार सुबह जब बच्चे स्कूल जाने के लिए निकले तो टूटा हुआ मार्ग उनके सामने बड़ी चुनौती बन गया। ऐसे में ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए बच्चों को खतरे वाले स्थान से सुरक्षित पार कराया। कई अभिभावक पूरे समय बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आए। ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर मार्ग बहा है, वहां कुछ समय पहले ही लोक निर्माण विभाग ने अस्थायी मरम्मत कर खानापूर्ति की थी। पहली ही तेज बारिश में सड़क का बह जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते स्थायी निर्माण कराया गया होता तो आज यह स्थिति नहीं बनती। ग्रामीण राकेश पांडेय और कमलेश दुबे ने बताया कि इसी मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे कंपोजिट विद्यालय आते–जाते हैं। बरसात के दौरान पानी का बहाव तेज होने से किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि विभागीय लापरवाही के कारण बच्चों की जान जोखिम में है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। गांव के लोगों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल क्षतिग्रस्त मार्ग का स्थायी निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द मरम्मत नहीं कराई गई तो बारिश के दिनों में गांव का संपर्क पूरी तरह कट सकता है और स्कूली बच्चों सहित आम लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे विभाग के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं, क्षेत्र के अभिभावकों की मांग है कि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी अनहोनी से पहले समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

मुठभेड़ के बाद तीन पशु चोर गिरफ्तार, हिस्ट्रीशीटर पैर में गोली लगने से घायल

मेरठ। देर रात मुंडाली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीन पशु चोरों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों ओर से हुई फायरिंग में पैर में गोली लगने से एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश घायल भी हुआ है। बदमाशों के पास से हथियार और नकदी बरामद की गई है।एसओ मुंडाली देवेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात पुलिस जिसौरा मार्ग पर चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान बाइक पर आ रहे तीन बदमाशों को रोका गया। जिस पर बदमाश पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए लोटी गांव की तरफ भाग लिए। पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी करते हुए जवाबी फायरिंग की। जिसमें एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हुआ। पुलिस ने तीनों बदमाशों को धर दबोचा। घायल बदमाश ने अपना नाम जिसौरा निवासी जितेंद्र, जबकि उसके साथियों ने अपने नाम जिसौरा निवासी मारूफ और डासना निवासी तहसीन बताए। बदमाशों के पास से एक तमंचा, कारतूस, 17000 से अधिक कैश, एक बाइक बरामद की गई।

एलिम्को कार्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने एमसीएच विंग खोह स्थित एलिम्को कार्यालय का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध दिव्यांगजन सहायक उपकरणों एवं कार्यालय की कार्यप्रणाली का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में उपलब्ध विभिन्न सहायक उपकरणों का अवलोकन किया तथा कार्यालय प्रभारी को निर्देशित किया कि एलिम्को द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं सहायक उपकरणों का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाए। ताकि अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजन इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। कार्यालय प्रभारी से दिव्यांगजनों के पंजीकरण, परीक्षण एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक दिव्यांगजन का परीक्षण एवं आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कराते हुए उन्हें पात्रता के अनुसार लाभ उपलब्ध कराया जाए। कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन तक सहायक उपकरण एवं अन्य सुविधाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाना सभी संबंधित अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने संग्रहीत किए सैम्पल

चित्रकूट। सहायक आयुक्त खाद्य शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पांच नमूने जाँच के लिए संग्रहीत किए हैं। जिसमें रामायण मेला सीतापुर स्थित खाद्य प्रतिष्ठान प्रांशु दूध डेयरी से दो नमूना मिश्रित दूध, पनीर, पुरानी बाजार कर्वी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान सागर मिल्क डेयरी से एक नमूना पनीर, किला चौराहा बरगढ़ स्थित खाद्य प्रतिष्ठान कुशवाहा दूध डेयरी से एक नमूना मिश्रित दूध, विकास नगर कपसेठी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान किशन ऑयल निल से एक नमूना खाद्य पदार्थ गेहूं आटे का संग्रहित किया गया है।

कैम्प में 28 मूकबधिर बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

चित्रकूट। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत महरोत्रा ईएनटी फाउण्डेसन कानपुर ने 200 शैय्या एमसीएच विंग खोह में मूकबाधिर बच्चों के लिए स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया। आरबीएसके कार्यक्रम के डीआईसी प्रभारी डा पवन सिंह द्वारा बताया गया कि जन्म से गूंगे बहरापन से ग्रसित बच्चो को समय से चिन्हांकन कर उपचारित किया जा सकता है। कैम्प में 28 बच्चो की स्क्रीनिंग की गयी। जिसमें पांच बच्चों को कॉकलियर इम्प्लान्ट के लिए चिन्हित व संदर्भित किया गया। साथ ही इस वर्ष कॉकलियर इम्प्लान्ट की सफल सर्जरी किए गये तीन बच्चों तथा कटे–फटे होठ एवं तालु के सफल सर्जरी किये हुए 10 बच्चों को आरबीएसके टीम एवं सिफ्स के सहयोग से डीएम ने पुरस्कृत किया। कैम्प में सीएमओ डा महेन्द्र कुमार त्रिपाठी, सीएमएस डा ओपी भास्कर, डा संदीप एवं डीपीएम आरके करवरिया उपस्थित रहे।

कालोनी में गंदगी और जलभराव की समस्या

चित्रकूट। सीतापुर के अवधपुरम कालोनी में लगभग 60 घर बने हुए हैं। इतने ही घर निर्माणाधीन हैं। कॉलोनी में अधिकांश प्रोफेसर, शिक्षक, वकील, पुलिस आदि शामिल हैं। इसी कॉलोनी में अवध गेस्ट हाउस भी संचालित है। विगत दिनों लोगों की मांग पर विभाग ने दो ट्रांसफार्मर रखवा दिए। जिससे बिजली समस्या से तो निजात मिली, किन्तु बहुत बड़ी समस्या से अभी भी लोग जूझ रहे हैं। पानी निकास की व्यवस्था न होने से जलभराव एवं गंदगी का आलम है। जिस ठेकेदार ने सडक नाली बनाई थी वो 10 फीट पहले ही रोक दिया। उसका पेमेंट भी विभाग ने कर दिया था। पैदल आना जाना दूभर है। जलभराव की चलते बिजली ट्रांसफार्मर में कई बार करेंट उतर चुका है। बिजली विभाग ने लाइन काट कर करेंट हटाया था। मोहल्ले के शिक्षक शशिकांत पाडेय आदि ने जिला प्रशासन से मांग की है कि गंदे पानी की निकासी के लिए अधूरी नाली बनवाया जाए।

सुमेधानंद महराज ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों की सुनाई कथा

–बताया कि मृत्यु को टालती है महाकाल के दर्शन

चित्रकूट। भागवतरत्न आचार्य नवलेश दीक्षित के खोही स्थित आवास जग निवास में चल रही शिव महापुराण कथा के अष्टम दिवस श्रीधाम वृंदावन से आए सुमेधानंद महराज ने बताया कि शिव के नेत्रों से अश्रुपात हुआ वहीं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। शिव की पूजा में रुद्राक्ष धारण करना अनिवार्य है। द्वादश ज्योतिर्लिंगों की कथा सुनाते हुए कहा कि एक बार जीवन में हर व्यक्ति को दर्शन करना चाहिए। महाकाल के दर्शन से मृत्यु भी वापस हो जाती है। इस मौके पर अयोध्या से आए राम जन्मभूमि मंदिर के ट्रस्टी आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरणदास महाराज, कानपुर पनकी मंदिर के महंत आदि श्रोतागण मौजूद रहे।

परेड की सलामी लेकर एसपी ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन्स में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, तत्पर और अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के शारीरिक व्यायाम कराए गए। स्वास्थ्य के लाभ के लिए परेड की दौड़ करायी गयी परेड में शामिल अधिकारी, कर्मचारी को अनुशासन, एकरूपता और कर्तव्यनिष्ठा के संबंध में बताया गया तथा ड्रील कराया गया। पुलिस अधीक्षक ने परिवहन शाखा में जाकर थानों से आयी चार, दो पहिया वाहनों, 112 पीआरवी वाहन तथा परिवहन शाखा में रखे वाहनों का निरीक्षण कर प्रभारी परिवहन शाखा को वाहनों की कमियों को दूर करने के लिए निर्देशित किया गया। डायल 112 कार्यालय, आवास परिसर, बैरक, सीपीसी कैन्टीन, मंदिर, भोजनालय, ऑर्मरी का निरीक्षण कर कर्मचारियों का अर्दली रुम किया गया। परेड के दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स राज कमल, प्रतिसार निरीक्षक रामशीष यादव आदि मौजूद रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 09 अगस्त 2026
sheelshukla100@gmail.com

उत्तराखंड का होकर भी नहीं बना पा रहा घर ऋषभ पंत का छलका दर्द, सीएम धामी से लगाई गुहार तो मिला ये जवाब

देहरादून ,। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत मैदान पर अपने बेखौफ अंदाज के लिए जाने जाते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वे इन दिनों एक बड़ी परेशानी से जूझ रहे हैं। दिल्ली से अपनी मातृभूमि उत्तराखंड शिफ्ट होने का सपना संजोए पंत पिछले तीन सालों से देवभूमि में जमीन खरीदने के लिए भटक रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी है। परेशान होकर अब इस स्टार क्रिकेटर ने आधी रात को सोशल मीडिया के जरिए सीधे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मदद की गुहार लगाई है। पंत की इस भावुक अपील पर सीएम धामी ने भी तुरंत संज्ञान लिया है और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं।

ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया पर बयां किया अपना दर्द

शुक्रवार आधी रात को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश्च पर पोस्ट करते हुए ऋषभ पंत ने अपना दर्द खुलकर बयां किया। उन्होंने लिखा कि उत्तराखंड का मूल निवासी होने के नाते वह अब दिल्ली से अपने गृह राज्य में शिफ्ट होना चाहते हैं, लेकिन जमीन से जुड़े मामलों में स्पष्टता न होने के कारण उन्हें रहने के लिए कोई अच्छी और बड़ी जगह नहीं मिल पा रही है। पंत ने सीएम धामी से विनम्र अपील करते हुए कहा कि वे पिछले तीन साल से जमीन तलाश रहे हैं, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। वे अपने पहाड़ी लोगों के बीच रहकर राज्य के विकास में अपना योगदान देना चाहते हैं।

अटकी हुई जमीन का भी किया जिक्र

अपनी पोस्ट में पंत ने उस जमीन का भी जिक्र किया जो उन्हें तब मिलनी चाहिए थी जब वे राज्य का प्रचार–प्रसार कर रहे थे। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इन सब बातों को किनारे रखकर सरकार से उनकी तय दरों पर ही जमीन खरीदना चाहते हैं, ताकि देवभूमि में वे अपना पहला घर बना सकें। पंत ने लिखा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात है, लेकिन जमीन खरीदने की इस उलझन में उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वे क्या करें, इसलिए उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री से मदद मांगी है।

सीएम धामी ने दिया हरसंभव मदद का भरोसा

स्टार क्रिकेटर की इस भावुक अपील पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तुरंत अपनी प्रतिक्रिया दी। सीएम ने पंत को उत्तराखंड का गौरव बताते हुए कहा कि उनके शानदार खेल ने देश–दुनिया में देवभूमि का नाम रोशन किया है। धामी ने पंत के अपनी मातृभूमि वापस लौटने और यहां योगदान देने के विचार की जमकर सराहना की। मुख्यमंत्री ने पंत को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा उठाए गए विषय के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं।

टीम इंडिया के इस स्टार खिलाड़ी ने खुद से 7 साल बड़ी मशहूर टीवी एक्ट्रेस से रचाई शादी, देखें खूबसूरत तस्वीरें

नई दिल्ली ,। खेल जगत और ग्लैमर वर्ल्ड का पुराना नाता एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए सितारे और आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (य्यक्र) के लिए बल्ले और गेंद से धूम मचाने वाले स्टार ऑलराउंडर रमनदीप सिंह अपनी नई पारी की शुरुआत कर चुके हैं। 29 वर्षीय रमनदीप सिंह ने टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी–मानी अदाकारा चार्ली चौहान को अपना हमसफर चुन लिया है और दोनों सात जन्मों के पवित्र बंधन में बंध गए हैं। इनकी शादी की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।पंजाबी रीति–रिवाज से संपन्न हुई शादीरमनदीप और चार्ली की शादी पारंपरिक पंजाबी रीति–रिवाजों के साथ बेहद शानदार तरीके से हुई। इस विवाह समारोह में दोनों के परिवारों के करीबी सदस्य और कुछ खास दोस्त ही शामिल हुए। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज और रमनदीप के बेहद करीबी दोस्त अर्शदीप सिंह ने भी शादी में शिरकत की। अर्शदीप ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस नए जोड़े की एक प्यारी सी तस्वीर साझा कर उन्हें जिंदगी के इस नए और खूबसूरत सफर की ढेरों शुभकामनाएं दी हैं।पति–पत्नी की उम्र में है 7 साल का फासला

क्रिकेट और टीवी जगत के इस नए जोड़े की शादी में एक खास बात दोनों की उम्र का अंतर भी है। घरेलू क्रिकेट में पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाले रमनदीप सिंह अभी 29 साल के हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के शिमला में जन्मीं उनकी दुल्हनिया चार्ली चौहान 36 वर्ष की हैं। दोनों के बीच 7 साल का फासला है, लेकिन तस्वीरों में इन दोनों की गजब की केमिस्ट्री देखकर यह साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्यार के आगे उम्र सिर्फ एक नंबर भर है।श्एमटीवी रोडीजश्च से चमका था चार्ली का सितारा रमनदीप की पत्नी चार्ली चौहान एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का एक बहुत ही लोकप्रिय नाम हैं। उन्होंने साल 2009 में युवाओं के बीच मशहूर रियलिटी शो श्एमटीवी रोडीजश्च से अपने अभिनय करियर का शानदार आगाज किया था। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और श्कैसी ये यारियांश्च व श्बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवरश्च जैसे सुपरहिट टीवी सीरियल्स से घर–घर में अपनी एक अलग पहचान बनाई। चार्ली अपने शानदार डांस के लिए भी जानी जाती हैं और वह डांसर कुंवर अमर के साथ चर्चित डांस रियलिटी शो श्नच बलिएश्च में भी अपने हुनर का जलवा बिखेर चुकी हैं।डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर जड़ा था छक्का दूसरी ओर, रमनदीप सिंह की बात करें तो उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए एक बेहतरीन फिनिशर के तौर पर अपना लोहा मनवाया है। आईपीएल के दमदार प्रदर्शन के बूते ही उन्होंने भारतीय टीम में अपनी जगह बनाई। रमनदीप अब तक भारत के लिए दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं, जिसमें उनके नाम 15 रन और एक विकेट दर्ज है।

ग्राहकों के लिए यूपीआई बना रहेगा स्नक्रावाव, नहीं लगेगा कोई चार्ज

नई दिल्ली । यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाए जाने को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि आम उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई पूरी तरह मुफ्त बना रहेगा। साथ ही छोटे कारोबारियों को भी यूपीआई भुगतान स्वीकार करने पर किसी प्रकार का शुल्क नहीं देना होगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में उद्योग संगठन ने कहा कि वर्ष 2016 में लॉन्च होने के बाद से ही यूपीआई उपभोक्ताओं के लिए निरूशुल्क रहा है और व्यक्तियों पर किसी प्रकार का ट्रांजैक्शन शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। पीसीआई ने कहा, यूपीआई 2016 में शुरू होने के बाद से हमेशा उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त रहा है। देश का हर नागरिक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के तत्काल डिजिटल भुगतान करना जारी रख सकेगा। संगठन ने बताया कि यूपीआई को समाज के सभी वर्गों तक डिजिटल भुगतान की सुविधा पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया था और आज भी यह भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ बना हुआ है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है, जब देश के तेजी से बढ़ते डिजिटल भुगतान ढांचे को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने को लेकर चर्चा तेज है। पीसीआई ने कहा कि मौजूदा बहस उपभोक्ताओं से शुल्क वसूलने को लेकर नहीं, बल्कि ऐसे डिजिटल इकोसिस्टम के रखरखाव और विकास को लेकर है, जो हर महीने अरबों लेनदेन संभाल रहा है। संगठन ने जोर देकर कहा कि छोटे व्यापारियों पर किसी प्रकार का एमडीआर लागू नहीं है और उन्हें यूपीआई भुगतान स्वीकार करने के लिए कोई शुल्क नहीं देना पड़ता। छोटे कारोबारियों को सशक्त बनाना और उन्हें डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ना यूपीआई की मूल सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है।पीसीआई के अनुसार, छोटे व्यापारियों को यूपीआई भुगतान स्वीकार करने पर कोई एमडीआर नहीं देना पड़ता। यूपीआई को इस तरह डिजाइन किया गया था कि देश के सबसे छोटे व्यवसाय भी बिना अतिरिक्त लागत के डिजिटल भुगतान अपना सकें। यूपीआई ने देश भर के लाखों छोटे दुकानदारों, ठेला विक्रेताओं, किराना कारोबारियों और सूक्ष्म उद्यमों को डिजिटल भुगतान स्वीकार करने का आसान और किफायती माध्यम उपलब्ध कराया है। इससे नकदी पर निर्भरता कम हुई है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया ने कहा कि यूपीआई अब एक साधारण भुगतान प्लेटफॉर्म से आगे बढ़कर दुनिया की सबसे बड़ी रियल–टाइम भुगतान प्रणाली बन चुका है। इसके चलते तकनीकी उन्नयन, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकथाम और परिचालन क्षमता को लगातार मजबूत करने की जरूरत बढ़ी है।

संगठन के मुताबिक, जैसे–जैसे यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या बढ़ रही है, वैसे–वैसे इस विशाल डिजिटल ढांचे को टिकाऊ बनाए रखने के तरीकों पर चर्चा हो रही है। हालांकि इस पूरी प्रक्रिया में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आम उपभोक्ताओं और छोटे व्यापारियों पर किसी तरह का वित्तीय बोझ न पड़े।

पीसीआई ने बताया कि पिछले लगभग एक दशक में बैंकों, फिनटेक कंपनियों, भुगतान सेवा प्रदाताओं, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मिलकर यूपीआई नेटवर्क के निर्माण और संचालन में बड़ा निवेश किया है।

ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता पर उठे सवालों को तेल कंपनियों ने किया खारिज, कहा- जांच में नहीं मिली कोई गड़बड़ी

नई दिल्ली ,। देश की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर उठी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि देश भर में की गई व्यापक जांच में ईंधन में नमी या क्लोराइड सम्मिश्रण का कोई प्रमाण नहीं मिला है। कंपनियों ने स्पष्ट किया कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीएमएस) यानी ई20 की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के भीतर है और उपभोक्ताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है।तेल कंपनियों ने एक साझा बयान में कहा कि हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्टों में ई20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड की मात्रा को लेकर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद पूरे आपूर्ति तंत्र (सप्लाई चेन) में अतिरिक्त और गहन परीक्षण अभियान चलाया गया। जांच के नतीजों में कहीं भी ईंधन के दूषित होने का प्रमाण नहीं मिला और सभी नमूने निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए।

कंपनियों ने कहा कि ईंधन की गुणवत्ता उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है। अगर किसी ऐसी समस्या की आशंका होती है जो वाहनों के प्रदर्शन या उपभोक्ताओं के भरोसे को प्रभावित कर सकती है, तो उसकी वैज्ञानिक तरीके से जांच की जाती है और आवश्यक सुधारात्मक कदम तुरंत उठाए जाते हैं।कंपनियों के अनुसार, सरकार ने पेट्रोल में मिलाए जाने वाले इथेनॉल के लिए क्लोराइड की मात्रा को लेकर कड़े मानक निर्धारित किए हैं। इनका पालन सुनिश्चित करने के लिए पूरी आपूर्ति शृंखला में उच्च स्तर की निगरानी व्यवस्था लागू की गई है।कंपनियों ने आगे बताया कि क्लोराइड का परीक्षण देश भर में विभिन्न स्तरों पर किया जाता है, जिसमें रिफाइनरी, डिस्टिलरी, डिपो, टर्मिनल और पेट्रोल पंप शामिल हैं। इस बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईंधन की गुणवत्ता हर स्तर पर तय मानकों के अनुरूप बनी रहे।इसके अलावा ईंधन की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए सभी पेट्रोल पंपों पर प्रतिदिन 8 से 12 बार पानी की मिलावट और घनत्व की जांच की जाती है। कई स्थानों पर मोबाइल फ्यूल क्वालिटी टेस्टिंग लैब भी तैनात की गई हैं। साथ ही ईंधन के नमूनों की स्वतंत्र परीक्षण प्रयोगशालाओं में भी जांच कराई जाती है। तेल कंपनियों ने क्लोराइड जांच कराई गई। परीक्षण में सभी नमूनों में क्लोराइड का स्तर 1 पार्ट पर मिलियन (पीपीएम) या उससे कम पाया गया, जो निर्धारित सीमा के भीतर है। कंपनियों के अनुसार, यह परिणाम दर्शाते हैं कि

कहा कि सप्लाई चेन के प्रत्येक स्तर पर लागू इस मजबूत और बहुस्तरीय परीक्षण प्रणाली ने एक बार फिर साबित किया है कि भारत में ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता सुरक्षित और निर्धारित मानकों के अनुरूप है।तेल विपणन कंपनियों ने यह भी बताया कि देशभर की रिफाइनरियों से यादृच्छिक रूप से चुने गए 100 से अधिक अतिरिक्त पेट्रोल नमूनों की भारत की रिफाइनिंग और ईंधन वितरण प्रणाली में लागू गुणवत्ता नियंत्रण उपाय प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं और ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर सामने आई आशंकाओं का कोई आधार नहीं है। तेल कंपनियों ने भरोसा जताया कि इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

नीरज चोपड़ा के नक्शाए-कदम पर चला यह युवा भारतीय जांबाज, वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 में चमक उठा देश का नाम

नई दिल्ली । वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 चौंपियनशिप के तीसरे दिन भारत के युवा और प्रतिभाशाली जैवलिन थ्रोअर आशीष यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का खाता खोल दिया है। उन्होंने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत (सिल्वर) पदक अपने नाम कर लिया है। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ ही आशीष ने ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर देश का मान बढ़ा दिया है और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

तीसरे राउंड के दमदार थ्रो ने दिलाया ऐतिहासिक पदक

मुकाबले की शुरुआत से ही एथलीटों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही थी। आशीष यादव ने अपने तीसरे ही प्रयास में भाले को 74.09 मीटर की दूरी तक फेंका, जो उनके लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इस बेहतरीन और सधे हुए थ्रो ने उन्हें सीधे पोडियम पर पहुंचा दिया और देश के लिए सिल्वर मेडल पक्का कर दिया। वहीं, इस स्पर्धा में भारत की तरफ से चुनौती पेश कर रहे दूसरे एथलीट टी. धरणिधरन ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठा स्थान हासिल किया। ओलंपिक लीजेंड नीरज चोपड़ा के खास क्लब में हुई एंट्री इस शानदार उपलब्धि के साथ ही 19 वर्षीय आशीष यादव ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा लिया है। वह दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट और देश के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के बाद इस प्रतिष्ठित इवेंट में रजत पदक जीतने वाले देश के केवल दूसरे पुरुष एथलीट बन गए हैं। आपको बता दें कि नीरज चोपड़ा ने साल 2016 में पोलैंड में आयोजित इसी चौंपियनशिप के दौरान स्वर्ण पदक अपने नाम किया था और 86.48 मीटर का ऐसा रिकॉर्ड बनाया था जो आज भी अटूट है। दक्षिण अफ्रीका के एथलीट ने अपने नाम किया गोल्ड

इस रोमांचक और कड़े मुकाबले में स्वर्ण पदक दक्षिण अफ्रीका के जीन–हेंड्रिक हेयमैन के हाथ लगा। उन्होंने अपने छठे और आखिरी यानी निर्णायक प्रयास में शानदार प्रदर्शन करते हुए भाले को 80.50 मीटर की दूरी तक फेंका। उनके इस थ्रो ने सीजन का 20 वर्ल्ड लीड बनाते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। हालांकि, विदेशी धरती पर भारतीय एथलीटों का यह जुझारू प्रदर्शन यह साबित करता है कि आने वाले समय में देश का एथलेटिक्स भविष्य बेहद उज्जवल है।

भारत और रूस ने रेलवे, ड्रोन, एसजे-100 विमानों और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जताई सहमति

नई दिल्ली । भारत और रूस ने रेलवे परिवहन, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), एसजे–100 क्षेत्रीय विमान और महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच यह चर्चा शुक्रवार को आयोजित भारत–रूस कार्य समूह की 12वीं बैठक के दौरान हुई।

यह बैठक भारत–रूस अंतर–सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग के तहत गठित आधुनिकीकरण और औद्योगिक सहयोग कार्य समूह के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी स्थित वाणिज्य भवन में आयोजित की गई।

बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने किया, जबकि रूसी पक्ष की ओर से रूस के उद्योग एवं व्यापार उपमंत्री अलेक्सी ग्रुजदेव ने सह–अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान रेलवे क्षेत्र में नए सहयोगी अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का विकास, वंदे भारत ट्रेन परियोजना और आधुनिक सिग्नलिंग उपकरणों से जुड़े विषय प्रमुख रहे। दोनों देशों ने रेलवे नेटवर्क के आधुनिकीकरण और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया।इसके साथ ही मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), 3–डी प्रिंटिंग तकनीक, रूस के एसजे–100 क्षेत्रीय यात्री विमान के उत्पादन और एयरो–इंजन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। एसजे–100 एक नैरो–बॉडी जेट विमान है, जिसमें लगभग 103 यात्रियों को ले जाने की क्षमता है।। दोनों देशों के बीच कार्बन फाइबर तकनीक, प्रोपल्शन सिस्टम, डीएपी और एनपीके उर्वरकों की आपूर्ति, औद्योगिक स्वचालन (ऑटोमेशन) तथा महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े सहयोग पर भी बात हुई।

इसके अलावा लिथियम खनन, टाइटेनियम तकनीक, एल्यूमीनियम क्षेत्र, खनन उपकरण निर्माण और दुर्लभ मृदा तत्वों (रेयर अर्थ एलीमेंट्स) की खोज में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। बैठक में 11वें सत्र के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की गई और आधुनिकीकरण, खनन, उर्वरक तथा रेलवे परिवहन से जुड़े विभिन्न उप–समूहों के कार्यों का मूल्यांकन किया गया।बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, 12वें सत्र में आधुनिक औद्योगिकीकरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, रेलवे अवसंरचना, उर्वरक एवं रसायन, दुर्लभ मृदा तत्व और क्रिटिकल मिनरल्स, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में क्षमता निर्माण, ऊर्जा इंजीनियरिंग, औद्योगिक अवसंरचना, खनन उपकरण, एल्यूमीनियम उद्योग और यूरिया उत्पादन के लिए संयुक्त उद्यम जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया।बैठक के दौरान, दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने 12वें सत्र के प्रोटोकॉल दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिए भारत और रूस ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा औद्योगिक एवं आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

श्रीलंका के साथ मुकाबले से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका, चोटिल शुभमन गिल वार्म-अप मैच से बाहर, केएल राहुल ने संभाली कप्तानी

कोलंबो ,। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया श्रीलंका इलेवन के खिलाफ वॉर्म–अप मैच खेल रही है। 7 अगस्त से शुरू हुए इस मुकाबले से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। नियमित कप्तान शुभमन गिल चोट के कारण मैच के पहले दिन नहीं खेलेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में केएल राहुल टीम की कप्तानी संभालेंगे। बीसीसीआई ने शुभमन गिल की चोट पर अपडेट जारी करते हुए बताया कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान उनके दाएं हाथ की रिंग फिंगर (अनामिका) में चोट लग गई। एहतियात के तौर पर उन्हें वॉर्म–अप मैच के पहले दिन आराम दिया गया है। फिलहाल बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी चोट पर लगातार नजर बनाए हुए है। अब सभी की नजर इस बात पर रहेगी कि गिल मैच के दूसरे दिन मैदान पर उतरते हैं या नहीं।श्रीलंका दौरे से पहले भारतीय टीम पहले ही चोटों की समस्या से जूझ रही है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजी की अगुआई मोहम्मद सिराज करेंगे।

इसके अलावा साई सुदर्शन भी चोट से उबर रहे हैं और बेंगलुरु में रिहैब कर रहे हैं। वहीं हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर भी चोट के चलते पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

सोना इस हफ्ते 6 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.3 लाख के पार

नई दिल्ली डॉलर इंडेक्स पर दबाव और महंगाई कम होने की संभावना के चलते सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशरू 6 हजार रुपए और 13 हजार रुपए से अधिक महंगे हो गए हैं। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 6,761 रुपए बढ़कर 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,42,860 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,37,053 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,30,860 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,12,216 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,07,145 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 3 अगस्त को शाम के सत्र में 1,42,557 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 7 अगस्त को शाम के सत्र में 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है।चांदी का दाम 13,086 रुपए बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,18,295 रुपए प्रति किलो था।इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 7 अगस्त को शाम के सत्र में 2,31,381 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 3 अगस्त को शाम के सत्र में 2,17,287 रुपए प्रति किलो देखा गया।आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,400 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 63 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है।एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह कच्चे तेल में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम होना है।

द ट्रेटर्स सीजन 2 ट्रेलर मल्लिका शेरावत ने रिया चक्रवर्ती को घेरा, श्वेता तिवारी का खुलासा- दोनों पतियों को चीट करते पकड़ा

करण जौहर के शो द ट्रेटर्स सीजन 2 में अलग–अलग क्षेत्रों से आए 21 सेलिब्रिटी प्लेयर्स का जबरदस्त कौलेब देखने को मिलेगा. आज शो द ट्रेटर्स सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और देखने में काफी इंटरेस्टिंग है. इनमें आदित्य कुलश्रेष्ठ उर्फ कुल्लू, अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान, अंश चोपड़ा, दलीप ताहिल, हरमन सिंघा, इक्का सिंह, करण सिंह मैजिक, क्रिस्टल डिसूजा, मल्लिका शेरावत, मुनव्वर फारुकी, पारुल गुलाटी, प्रिश, रणवीर बराड़, रिया चक्रवर्ती, रिदा थराना, साहिल सलाथिया, शाहनील गिल, शालिनी पासी, श्वेता तिवारी, सौंदूस मोफाकिर और तान्या पुरी शामिल हैं.प्राइम वीडियो ने आज अपनी अनस्क्रिप्टेड ओरिजिनल सीरीज द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है. जैसलमेर के शाही सूर्यगढ़ पैलेस की शानदार लोकेशन पर सेट इस नए सीजन में करण जौहर एक बार फिर इस रियलिटी सीरीज के मास्टरमाइंड के तौर पर वापसी कर रहे हैं, जहां भरोसा एक लग्जरी है, धोखा एक रणनीति है और हर कदम पर विश्वासघात का खतरा मंडरा रहा है. इस सीजन में उनके साथ एक रहस्यमयी नया साथी बू भी नजर आएगा, जो बुरी खबर लेकर आएगा.

खिताब और बड़ी इनामी राशि जीतने के लिए 21 सेलिब्रिटी प्लेयर्स आदित्य कुलश्रेष्ठ (कुल्लू), अभिषेक मल्हान (फुकरा इंसान), अंश चोपड़ा, दलीप ताहिल, हरमन सिंघा, इक्का सिंह, करण सिंह मैजिक, क्रिस्टल डिसूजा, मल्लिका शेरावत, मुनव्वर फारुकी, पारुल गुलाटी, प्रिश, रणवीर बराड़, रिया चक्रवर्ती, रिदा थराना, साहिल सलाथिया, शाहनील गिल, शालिनी पासी, श्वेता तिवारी, सौंदूस मोफाकिर और तान्या पुरी एक–दूसरे को मात देने, गेम खेलने और आखिर तक टिके रहने के लिए मैदान में उतरेंगे.

द ट्रेटर्स सीजन 2, आईडीटीवी के बाफ्टा और एमी अवॉर्ड जीत चुके ग्लोबल फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है. इस सीजन को ध र्माटिक एंटरटेनमेंट ने प्रमुख स्वतंत्र डिस्ट्रीब्यूटर ऑल3मीडिया इंटरनेशनल के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है. सीजन 2 का प्रीमियर 13 अगस्त को होगा और यह भारत में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा. इसके नए एपिसोड हर गुरुवार रिलीज किए जाएंगे.

ट्रेलर दर्शकों को एक बार फिर उसी शाही महल में ले जाता है, जहां कुछ भी वैसा नहीं है जैसा दिखाई देता है और हर बातचीत के पीछे कोई नया खतरा छिपा हो सकता है. ट्रेलर में करण जौहर कहते हैं, यह महल सपने जैसा लगता है... और मैं उस सपने को बुरे सपने में बदलने का इंतजार नहीं कर सकता. उनकी यह बात इस सीजन का माहौल साफ कर देती है, जहां प्लेयर्स पहले से ज्यादा चालाक, रणनीतिक और एक–दूसरे को मात देने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं. इस बार उन्हें और मुश्किल टास्क, तनाव से भरे सर्कल ऑफ शक के मुकाबले, गुप्त गठजोड़ और टावर में होने वाले मर्डर का सामना करना होगा.

गेम के बीच इनोसेंट्स और ट्रेटर्स के बीच असली मुकाबला होगा. इनोसेंट्स को गेम से बाहर होने से पहले ट्रेटर्स को पहचानना होगा, जबकि ट्रेटर्स को अपनी पहचान छिपाकर एक–एक करके इनोसेंट्स को गेम से बाहर करना होगा. जैसे–जैसे टास्क मुश्किल होंगे और दबाव बढ़ेगा, गठजोड़ टूटेंगे, शक गहराएगा और गेम में बने रहने के लिए प्लेयर्स को बेहद कठोर फैसले लेने होंगे. जब भरोसा सबसे कम होगा और हर चाल का असर दिखाई देगा, तब सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा की क्या इनोसेंट्स ट्रेटर्स को पहचान पाएंगे या ट्रेटर्स सभी को मात देकर गेम जीत जाएंगे?अपने विचार साझा करते हुए करण जौहर ने कहा, द ट्रेटर्स का पहला सीजन बाकी रियलिटी कंटेंट और पुराने फॉर्मेट से अलग अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहा और दर्शकों के रिस्पॉन्स ने साबित कर दिया कि वे कुछ नया देखने के लिए तैयार हैं. दूसरे सीजन के साथ हम जानते थे कि हमें गेम को और बड़ा, ज्यादा शार्प और पहले से भी ज्यादा अनप्रेडिक्टेबल बनाकर लौटना होगा. लेकिन इस बार प्लेयर्स फॉर्मेट के ट्विस्ट और ट्रैप से पूरी तरह वाकिफ होकर महल में आए थे. उनके पास अपनी रणनीतियां, पहले से ज्यादा मजबूत अंदाजा और ऐसी चालाकी थी, जिसने मुझे भी हैरान कर दिया. इस सीजन में आप दोस्तियों को टूटते, भरोसे को शक में बदलते, गठजोड़ को बिखरते और प्लेयर्स को ऐसे फैसले लेते देखेंगे, जिन्होंने मुझे सच में हैरान किया और कई बार झटका भी दिया. यही द ट्रेटर्स की खूबसूरती है, जब आपको लगता है कि आपने गेम को समझ लिया है, तभी यह सबकुछ पलट देता है. होस्ट के तौर पर मैंने कुछ ऐसे पल अपनी आंखों के सामने देखे, जिन पर यकीन करना मुश्किल था और मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि इस सीजन में जो कुछ हुआ, उसके लिए मैं भी तैयार नहीं था, तो तैयार हो जाइए द ट्रेटर्स सीजन 2 का प्रीमियर 13 अगस्त को प्राइम वीडियो पर होगा। और मेरा यकीन मानिए, आपको बिल्कुल अंदाजा नहीं है कि आगे क्या होने वाला है. ट्रेलर रिलीज होने से कुछ दिन पहले ही प्राइम वीडियो ने डाइनिंग थिएटर ऑफ ट्रेचरी के एक खास चार–कोर्स एक्सपीरियंस के जरिए 21 प्लेयर्स की पूरी लिस्ट सामने रखी थी. इस बड़े खुलासे के बाद अब ट्रेलर ने उन कमजोर गठजोड़ों, तेज दिमाग और एक–दूसरे को मात देने वाली रणनीतियों की पहली झलक दिखाई है,

रणवीर सिंह की धुरंधर ने फिर किया धमाल, बनी नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली दुनिया की नान-इंग्लिश फिल्म

आदित्य धर की धुरंधर भले ही सिनेमाघरों से उतर गई है, लेकिन ओटीटी पर अब भी इसका जादू छाया हुआ है. इस फ्रैंचाइजी ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़े. फिल्म की पॉपुलैरिटी सिर्फ सिनेमाघरों तक ही सीमित नहीं रही. नेटफ्लिक्स पर आने के बाद भी इसे दुनिया भर में बहुत से दर्शकों ने देखा. शायद यही वजह है कि धुरंधर अब दुनिया भर में नेटफ्लिक्स की सबसे बड़ी भारतीय नॉन–इंग्लिश फिल्म बनकर उभरी है.नेटफ्लिक्स के को–सीईओ टेड सारंडोस ने हाल ही में इस फिल्म के बारे में बात करते हुए बताया कि यह उन भारतीय फिल्मों में से एक थी जिन्होंने स्ट्रीमिंग सर्विस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे यह साबित हुआ कि इसकी लोकप्रियता सिनेमाघरों से कहीं ज्यादा थी.

टेड सारंडोस से पूछा गया कि क्या भारतीय फिल्मों और शो का भी दुनिया भर में वैसा ही असर पड़ रहा है, जैसा कोरियाई शो स्क्विड गेम का पड़ा था. तब उन्होंने बताया कि आदित्य धर की धुरंधर इस साल दुनिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली नॉन–इंग्लिश फिल्म थी.

उन्होंने कहा, धुरंधर इस साल दुनिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली नॉन–इंग्लिश फिल्म थी. यह हर दूसरी इंग्लिश फिल्म से ज्यादा देखी गई और इसे देखने के मामले में यह सिर्फ यूएस और यूके से पीछे रही.

बातचीत के दौरान, सारंडोस ने बताया कि लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि भारत में साउथ कोरिया के स्क्विड गेम या स्पेन के ला कासा डे पैपेल (मनी हाइस्ट) जैसा ग्लोबल कल्चरल फेनोमेनन कब देखने को मिलेगा. उन्होंने जवाब में कहा कि भारत पहले से ही लगातार ग्लोबल लेवल पर सफल कंटेंट बना रहा है और ऐसे पल ऑल द टाइम आते रहते हैं.

टेड सारंडोस ने कहा, इसके सिनेमा के जरिए आने की संभावना ज्यादा है. जब हमने सेक्रेड गेम्स बनाई थी, तब टेलीविजन का स्वरूप बिल्कुल अलग था. इसलिए, अब तक के इतिहास और आगे जो कुछ भी हो रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि यह सिनेमा के रूप में ही सामने आएगा.

उन्होंने आगे कहा, 2024 से हर हफ्ते ग्लोबल टॉप 10 में कोई न कोई भारतीय फिल्म या सीरीज रही है और यह उस एल्गोरिदम का नतीजा है जो आपको चीजे खोजने में मदद करता है. यह बात ऐसी है जो मुझे बहुत पसंद है. इसी वजह से, इस साल दुनिया भर में नेटफ्ध्लिक्स पर भारतीय कंटेंट को 3.5 अरब घंटे देखा गया है.

आदित्य धर की फ्रैंचाइजी में रणवीर सिंह के साथ अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर. माध वन, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे अहम किरदार में नजर आए थे. इस फिल्म को आदित्य धर, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले मिलकर प्रोड्यूस किया है. यह स्पाई–एक्शन फिल्म पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी. इस साल मार्च में इसका दूसरा भाग धुरंधररू द रिवेंज सिनेमाघरों में आया और साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन गई.

मालामाल वीकली 2 में बड़ा धमाका, रवीना टंडन और परिणीति चोपड़ा मिलकर लगाएंगी हंसी का तड़का

निर्देशक प्रियदर्शन की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म मालामाल वीकली के सीक्वल को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मालामाल वीकली 2 में इस बार रवीना टंडन और परिणीति चोपड़ा की जोड़ी धमाल मचाने आ रही है। दोनों अभिनेत्रियां पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगी और दर्शकों को हंसी का डबल डोज देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म की स्टारकास्ट में इन 2 हसीनाओं के जुड़ने से प्रशंसकों के बीच उत्सुकता और बढ़ गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, रवीना टंडन और परिणीति चोपड़ा फिल्म मालामाल वीकली 2 की स्टारकास्ट में शामिल हो गई हैं।एक सूत्र ने बताया, स्क्रिप्ट की मांग के हिसाब से ये दोनों अभिनेत्रियां एकदम सही हैं। इसलिए निर्माता इन्हें फिल्म में लेने के लिए काफी उत्सुक थे। खास बात ये है कि रवीना और परिणीति दोनों को ही फिल्म की कहानी और अपने किरदार बहुत पसंद आए। उन्होंने तुरंत ही इस फिल्म को साइन कर लिया।सूत्र ने आगे कहा, दोनों ही अभिनेत्रियां बेहद प्रतिभाशाली हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग कमाल की है। रवीना ने 1990 के दशक में आई कई कॉमेडी फिल्मों के साथ–साथ हाल ही में रिलीज हुई फिल्म वेलकम टू द जंगल से भी अपनी काबिलियत साबित की है। उधर परिणीति ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म लेडीज वर्सेस रिकी बहल में एक कॉमेडी और प्यारे किरदार से की थी। ऐसे में उम्मीद है कि दोनों मालामाल वीकली 2 में जबरदस्त धमाल मचाएंगी।रवीना और परिणीति के अलावा, परेश रावल के नाम पर भी इस फिल्म के लिए मोहर लग चुकी है। निर्माता अब अन्य प्रमुख भूमिकाओं के लिए बॉलीवुड के जाने–माने कलाकारों को कास्ट करने की तैयारी में हैं।इससे पहले खबर आई थी कि मालामाल वीकली 2 पर काम कर रही टीम को एक शानदार आइडिया मिला है, जो इस सीरीज के दूसरे भाग के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। ये पहला भाग की सीधी सीक्वल नहीं होगी।बॉलीवुड के इतिहास में ऐसी कई फिल्में रही हैं, जिन्होंने बिना किसी बड़े सुपरस्टार के भी बॉक्स ऑफिस पर पैसों की बारिश कर दी। साल 2006 में रिलीज हुई मालामाल वीकली भी उन्हीं चुनिंदा फिल्मों में से एक है। 7 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 42 करोड़ रुपये कमाए थे।छोटे बजट और दमदार कलाकारों (जैसे परेश रावल, ओम पुरी और रितेश देशमुख) के दम पर ये एक कालजयी फिल्म बन गई।

आवारापन 2 पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, 9 बदलाव के बाद मिली ये रेटिंग

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 अपनी रिलीज के काफी करीब है। विशेष भट्ट द्वारा निर्मित और नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित, ये एक एक्शन थ्रिलर है जिसका इसी नाम से पहला भाग 2007 में आया था। सीक्वल में इमरान के साथ दिशा पाटनी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। ताजा अपडेट है कि निर्माताओं ने फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास सौंपा था, जहां से इसे प्रमाणपत्र मिल गया है। हालांकि फिल्म में काफी बदलाव किए गए हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, जांच समिति ने फिल्म निर्माताओं को इसमें 9 संशोधन करने के निर्देश दिए हैं।सेंसर बोर्ड ने फिल्म में दिखाए गए हिंसात्मक दृ श्यों को कम करने के लिए कहा है। अपशब्दों को कम करने और नशीली दवाओं, धूम्रपान और बाल तस्करी के खिलाफ चेतावनी जोड़ने जैसे बदलाव के निर्देश भी दिए गए हैं।इन भी बदलाव के बाद, 5 अगस्त को बोर्ड ने 9 देकर आवारापन 2 को पास किया।यूए 16 प्रमाणपत्र के साथ फिल्म को मिली मंजूरीआवारापन 2 की अवधि कुल अवधि 140 मिनट और 20 सेकंड है। मतलब फिल्म 2 घंटे, 20 मिनट, 20 सेकंड तक दर्शकों का मनोरंजन करती रहेगी।चूकि फिल्म को 2 घंटे, 20 मिनट, 20 सेकंड मिला है, इसलिए 16 साल या उससे ऊपर की उम्र वाले दर्शक अपने माता–पिता के मार्गदर्शन में देख सकेंगे।14 अगस्त, 2026 को फिल्म हिंदी भाषा में अंग्रेजी सबटाइटल के साथ रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा की हालीवुड में बड़ी छलांग, अब आस्कर विजेता रसेल क्रो के साथ मचाएंगी धमाल

ऑस्कर विजेता अभिनेता रसेल क्रो और प्रियंका चोपड़ा आगामी साइंस–फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म ब्लूफ्लाई में एक साथ नजर आने वाले हैं। प्रेडेटर्स और सुपरहिट सीरीज स्ट्रेंजर थिंग्स में अपनी छाप छोड़ चुके जाने–माने निर्देशक निमरॉड एंटल इस बड़े बजट की फिल्म का निर्देशन करेंगे। हॉलीवुड की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में प्रियंका और रसेल की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ एक्शन और रोमांच का तड़का लगाती दिखेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को आधिकारिक तौर पर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में खरीददारों के सामने पेश किया जाएगा।फिल्म की शूटिंग इसी साल ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में शुरू होगी।इसकी कहानी संयुक्त राष्ट्र के एक दुखी अनुवादक के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसे कांगो में एक सीक्रेट मिशन पर भेजा जाता है। उसका काम एक ऐसे रहस्यमयी विमान को ढूंढना है, जिसका अस्तित्व ही दुनिया से छिपा हुआ था।

3 लेखकों द्वारा लिखित इस फिल्म के निर्माण की कमान 6 निर्माताओं की टीम संभाल रही है, जबकि ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन हाइलैंड फिल्म ग्रुप देखेगा।

ग्रुप की सीईओ एरियन फ्रेजर ने कहा, ब्लूफ्लाई में रसेल क्रो और प्रियंका चोपड़ा जोनास जैसे शानदार कलाकार हैं। ये डेनिस विलेन्यूवे की फिल्म अराइवल की तरह ही गहरी भावनाओं और भारी जोखिम से भरी एक बेहतरीन साइंस–फिक्शन थ्रिलर है। हम दुनियाभर के खरीदारों के सामने इस प्रोजेक्ट को पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

निर्देशक निमरॉड एंटल ने कहा, ब्लूफ्लाई एक बेहद रोमांचक और दमदार किरदारों वाली थ्रिलर फिल्म है, जो साहसिक साइंस–फिक्शन पर आधारित है। ये ठीक वैसी ही वास्तविक, रहस्यमयी और तनावपूर्ण फिल्म है, जैसी मुझे पसंद है। इससे बेहतर स्टारकास्ट और टीम नहीं मिल सकती थी।निमरॉड एंटल एक प्रसिद्ध हंगेरियन–अमेरिकी फिल्म निर्देशक, लेखक और अभिनेता हैं। उन्हें हॉलीवुड की चर्चित साइंस–फिक्शन और एक्शन फिल्मों जैसे प्रेडेटर्स, वेकेंसी और सुपरहिट टीवी सीरीज स्ट्रेंजर थिंग्स के निर्देशन के लिए जाना जाता है।रसेल पिछली बार फिल्म न्यूरेमबर्ग में नजर आए थे और अब उनके पास हाइलैंडर जैसी बड़ी फिल्में हैं।उधर प्रियंका भी

लगातार नए प्रोजेक्ट्स के साथ अपने हॉलीवुड करियर का विस्तार कर रही हैं। उनकी इस यात्रा में ब्लूफ्लाई एक और बड़ा और अहम अध्याय जोड़ने जा रही है, जो उनके प्रशंसकों के लिए काफी खास होने वाला है। प्रियंका निर्देशक एसएस राजामौली की पैन इंडिया फिल्म वाराणसी से भारतीय सिनेमा में भी अपनी धमाकेदार वापसी करने को तैयार हैं।

अमीषा पटेल बोलीं- कभी नहीं करुंगी शादी, एक मर्द को संभालना मेरे बस की बात नहीं

अभिनेत्री अमीषा पटेल ने हाल ही में एक्स पर अपने आस्कएमी सेशन के दौरान शादी को लेकर बड़ा खुलासा किया। जब एक फैन ने उनसे शादी की योजना के बारे में पूछा तो अमीषा ने दोटूक जवाब देते हुए कहा कि वो कभी शादी नहीं करेंगी। 49 वर्षीय अभिनेत्री ने बताया कि वो सिंगल रहकर बेहद खुश हैं और उनके पास 100 से अधिक करीबी दोस्त और परिवार हैं जो उनसे प्यार करते हैं।

एक्स पर एक फैन ने उनसे पूछा, आप शादी कब कर रही हैं? अमीषा का जवाब सीधा और साफ था। उन्होंने लिखा, कभी नहीं। में अकेले रहकर बेहद खुश हूं। मेरे पास प्यार करने वाले 100 करीबी दोस्त और परिवार हैं। मैं नहीं चाहती कि कोई एक आदमी आकर ये सब कुछ बदल दे। ये जोखिम मैं नहीं उठा सकती।अमीषा ने अब पूरी तरह साफ कर दिया है कि वो कभी शादी के बंधन में नहीं बंधने वाली हैं।रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में अमीषा ने बताया था कि उन्होंने अपना एक गंभीर रिश्ता इसलिए तोड़ दिया था, क्योंकि उनका बॉयफ्रेंड नहीं चाहता था कि वो फिल्मों में काम करें।

अमीषा ने कहा, जो लोग आपसे सच्चा प्यार करते हैं, वे आपके करियर को आगे बढ़ने देंगे। मैंने अपने करियर के लिए बहुत कुछ खोया है और प्यार के लिए भी बहुत कुछ कुर्बान किया है। मैंने दोनों के लिए फैसले लिए हैं और उनसे बहुत कुछ सीखा है।

हालांकि, तब अमीषा ने बताया था कि उन्होंने शादी के दरवाजे बंद नहीं किए हैं।उन्होंने कहा था, अगर मुझे कोई सही इंसान मिलता है तो मैं शादी के लिए तैयार हूं। मुझे आज भी कई बड़े परिवारों से रिश्ते आते हैं और मेरी उम्र से आधे लड़के भी डेट पर ले जाना चाहते हैं। मैं इसके लिए तैयार हूं, क्योंकि इंसान का मानसिक रूप से परिपक्व होना जरूरी है। मुझसे बड़े कई लोगों का दिमाग मक्खी जैसा होता है।बता दें कि अमीषा का सबसे चर्चित रिश्ता निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ रहा।शादीशुदा विक्रम के

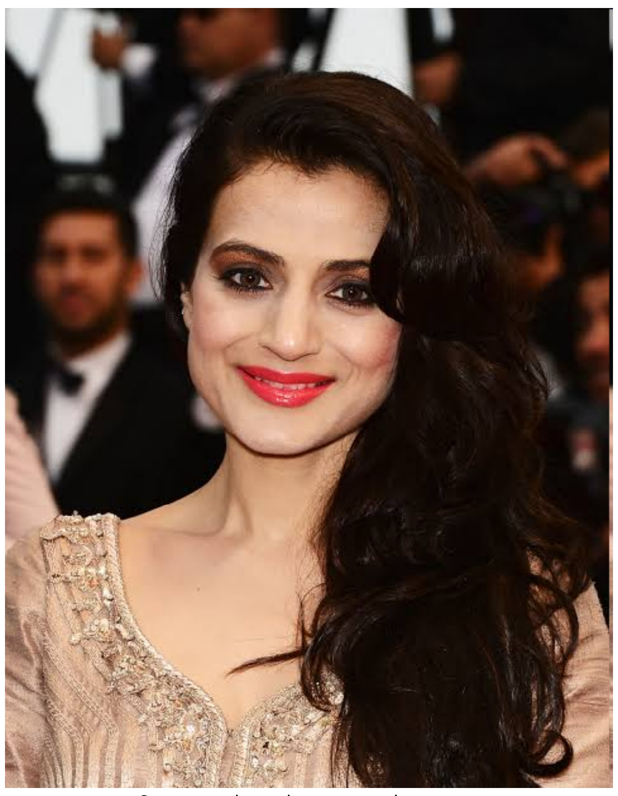

साथ 5 साल लिव–इन में रहने के कारण उनका घरवालों से भी विवाद हुआ, हालांकि बाद में दोनों अलग हो गए।

फिल्म मैं वापस आऊंगा ने ओटीटी पर दी दस्तक, नेटफ्लिक्स पर हुई स्ट्रीम

निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तहलका मचाने आ गई है। दिलजीत दोसांझ, वेदांग रैना, शरवरी और नसीरुद्दीन शाह जैसे सितारों से सजी ये फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसने विश्व स्तर पर 90 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार किया था। सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल जीतने के बाद फिल्म का प्रीमियर ओटीटी पर कर दिया गया है, जिससे लोग घर बैठकर इसका लुत्फ उठा सकेंगे।नेटफ्लिक्स इंडिया ने सोशल मीडिया पर मैं वापस आऊंगा की ओटीटी रिलीज तारीख का ऐलान कर बताया कि फिल्म 7 अगस्त, 2026 (शुक्रवार) से प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध करा दी जाएगी।दिलचस्प बात ये है कि फिल्म अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है।इसकी कहानी भारत–विभाजन (1947) के समय एक अधूरी प्रेम–कहानी और वर्तमान में एक बीमार दादा की देखभाल कर रहे उसके पोते के बीच के गहरे भावनात्मक रिश्ते पर आधारित है।

बाक्स आफिस पर स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे का राज, जन नायकन और द ओडिसी पड़ने लगीं सुस्त

टॉम हॉलैंड की स्पाइडर–मैनरू ब्रांड न्यू डे ने बॉक्स ऑफिस पर रिलीज का 1 हफ्ता पूरा कर लिया है। भारत में 60 करोड़ रुपये से ओपनिंग लेने के बाद इसकी दैनिक कमाई में थोड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। इसके बावजूद फिल्म ने 300 करोड़ के क्लब में अपनी जगह बना ली है। दूसरी ओर थलापति विजय की जन नायकन और हॉलीवुड फिल्म द ओडिसी भारत में कमाई के मामले में दिन पर दिन फीकी पड़ती जा रही है।सैकनिल्क के मुताबिक, स्पाइडर–मैन 4 ने 8वें दिन (गुरुवार) भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 14. 20 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। 7वें दिन इसने 17 करोड़ रुपये कमाए थे।फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 334.70 करोड़ रुपये हुआ है, जबकि ग्रॉस कलेक्शन 400 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।डेस्टिन डेनियल क्रेटन द्वारा निर्देशित ये फिल्म विश्व स्तर पर भी कमाल दिखा रही है।इसने एक हफ्ते में लगभग 10,925 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार कर लिया है।विजय की फिल्म जन नायकन का जादू बॉक्स ऑफिस पर फीका पड़ने लगा है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।